Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

यु कपात

1925

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

* ओ३म् *

वा नी भ ण्डा र

ंख्या .... /३५(ब)

ख्या ७.६.५/१८.८.२०११

सर्व प्रकार की निशानियां
है। कोई महाशय १५ दिन से
पुस्तक अपने पास नहीं रख
देर तक रखने के लिये पुनः
चाहिये।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

२५५

भूगोल संयुक्तप्रांत

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

R
44
MVR-B

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

R 500,P37S
1924

॥ श्रीः ॥

नोट्स भूगोल लांगमेन्स द० ४

अर्थात्

भूगोल संयुक्त प्रान्त

आगरा व अवध हिन्दुस्तान सहित

जिसको

मदारिस तहसीली व हल्का बन्दी

दर्जा ४ के लिये तय्यार

कराकर

पं० मुरारीलाल बुकसेलर

मुरादाबाद ने अपने

कुलेश्वरी प्रेस मुरादाबाद

में छापकर प्रकाशित किया

कीमत] १९२४ [तीन आना

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दिशायें ।

प्रश्न-(१)-दिशायें कितनी हैं और कितने कोन होते हैं और कौन कौनसे

(२)-प्रातः काल, सायंकाल, और मध्यान्ह को दिशाओं की पहिचान कैसे होती है ।

(३) समुद्रों में जहाज़ वाले, बनों में रात को यात्री दिशायें कैसे मालूम कर सकते हैं ।

(४)-ध्रुव किसे कहते हैं सप्तरिषी क्या हैं ।

वास्तविकदिशायें-(१) उत्तर (२) पूरब (३) दक्षिण (४) पश्चिम ।

दिशाओं के कोन-(१)-उत्तर पूरब (ईशान कोन)
(२) पश्चिम उत्तर (वायव्य कोन)
(३) दक्षिण पूरब (आग्नेय कोन)
(४) दक्षिण पश्चिम (नैऋत्य कोन)

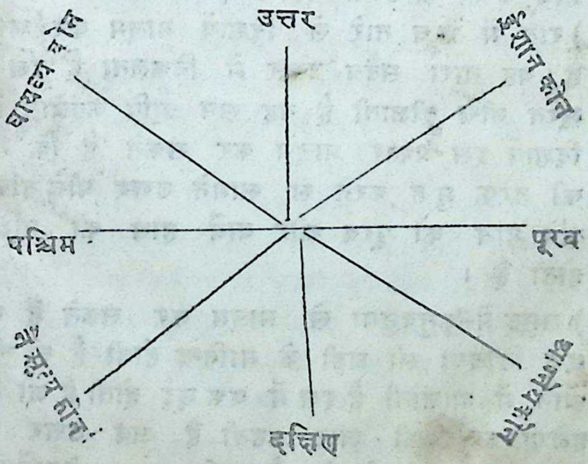

पुस्तकालय
गुरुकुल कांगड़ी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दिशायें जानने के नियम ।

(१) प्रातः काल को-निकलते सूरज के सामने खड़े हों तो तो सामने पूरब पीठ पीछे पश्चिम दायें हाथ दक्षिण बायें हाथ उत्तर होगा।

(२) मध्यान्ह समय-को दस बजे एक सीधी छड़ी पृथ्वी पर गाढ़ कर देखो जिस ओर परछाईं पड़ती है वह दक्षिण है यही परछाईं दो बजे उत्तर में पड़ेगी यदि इन दोनों स्थानों में चिन्ह करके रेखा मिलावें और उस के दो भाग कर के इस पर एक सीधी रेखा खड़ी करें तो उस के ऊपर का रुख़ पूरब को और नीचे का रुख़ पच्छिम को होगा।

(३) सायंकालको--छिपते हुए सूर्य्य की तरफ़ मुंह करके खड़े हों तो सामने पश्चिम पीछे पूरब दायें हाथ उत्तर और बायें हाथ दक्षिण होगा।

(४) रात में ध्रुव तारे से दिशायें मालूम कर सकते हैं। यह तारा सदैव उत्तर में निकलता हैं इस की सूरत नीचे दीजाती है यह सप्त ऋषि कहलाते हैं। दिशायें इस प्रकार मालूम कर सकते हैं कि तारे की तरफ मुंह करने से सामने उत्तर पीछे दक्षिण दांये हाथ को पूरब और बायें हाथ को पश्चिम होता है ।

(५) समुद्र में-क़ुतुबनुमा से मालूम कर सकते हैं यह एक डिबिया सी घड़ी के मानिन्द होती है दो तीन आने में आजाती है इस में एक सूई होती है जो कि हमेशा उत्तर की ओर रहती है जब उत्तर की दिशा मालूम होगई तो और भी मालूम होजायेंगी।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(६) यदि जल्दी मालूम करना हो तो इस का यह तरीक़ा है कि घड़ी के शीशे पर आलपीन इस प्रकार खड़ी करो कि उस की परछाईं घन्टे वाली सुई और बारह के हिन्दसे के बीचों बीच पड़े तो बारह और छः के अंक को मिलाने वाली सीधी रेखा उत्तर दक्षिण होगी।

पैमाना।

प्रश्न—एक उदाहरण द्वारा बताओ कि पैमाने से तुम क्या जानते हो और उस से क्या लाभ हैं।

उदाहरण-कल्पना किया एक कमरा ३० फ़ीट चौड़ा और ५ फ़ीट लम्बा है और काग़ज़ पर उन का नक़शा बनाना है।

चूँकि यह प्रगट है कि इतना लम्बा चौड़ा काग़ज़ नहीं मिल सकता इस लिये कोई पैमाना नियत कर लिया जाता है यदि इस उदाहरण में १० फीट बराबर १ इंच मानलें तो कमरे का खाका ५ इन्च लम्बा और ३ इंच चौड़ा हुआ। बस

पैमाना—वह माना हुआ हिसाब है जिस के द्वारा ख़ाका या नक़्शा बनाया जाता है।

हिदायत—नक़शे और खाके जिस पैमाने पर बनाये जावें वह नीचे ज़रूर लिख दिया जावे जब तक क्या कोई नक़्शा या खाका हो और पैमाना उस में न दिया हो तब तक वह नक़शा या ख़ाका क़ाबिल एतबार नहीं समझा जा सकता है।

खाका।

प्रश्न—खाके से क्या अभिप्राय है और उस के बनाने के वास्ते क्या २ सामान दरकार हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खाका—किसी चीज़ या स्थान के खाकों से यह मुराद ली जाती है कि उस की सतेह कितनी लम्बी चौड़ी है और उस की हद पेचदार है या सीधी है।

आवश्यक समान—(१) नोट बुक (२) वर्ग खिचा हुआ श्याम पट (३) पटरी जिस पर और उसके दसवें हिस्से और मिली मीटर बने हों (४) पैंसिल (५) फ़ीता कमरा नापने के वास्ते।

ख़ाका बनाने का तरीक़ा—(१) जिस जगह या कमरे आदि का ख़ाका खींचना हो उसको लम्बाई चौड़ाई को फ़ीते से नाप कर नोटबुक में लिखलो। (२) नापने के पश्चात् एक मुनासिब सा पैमाना मानलो अगर यह पैमाना ऐसा हो कि हिसाब लगाने में सुगमता हो और दिक्कत न पड़ने पावे। (३) वे ठीक तौर हिसाब लगाकर लम्बाई चौड़ाई और आसार की लकीरें खींचदो।

उदाहरण—एक कमरे का ख़ाका खींचो जब कि कमरे की लम्बाई २० फ़ीट और चौड़ाई १६ फ़ीट है इसमें ४ दरवाज़े आमने सामने हैं जो कि ३ फ़ीट लम्बे और २ फ़ीट चौड़े हैं।

(नोट)—दरवाज़े की चौड़ाई जो हो वही दीवारों का आसार हुआ करता है चूंकि २० फ़ीट लम्बाई और १६ फ़ीट चौड़ाई है यदि पैमाना फ़ी इंच ४ फ़ीट मान लिया जावे तो हिसाब लगाने में सुगमता होगी।

:- पैमाना ४ फीट = १ इंच और दरवाजा = $\frac{३}{४}$ इंच लम्बा

:- लम्बाई खाका कमरा $\frac{२०}{४}$ = ५ इंच आसार दीवार $\frac{२}{४}$ = $\frac{१}{२}$ इंच

और चौड़ाई ख़ाका,, $\frac{१६}{४}$ = ४ इंच

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आगत सं० 6५५

नक़शे में नदी आदि के चिन्ह

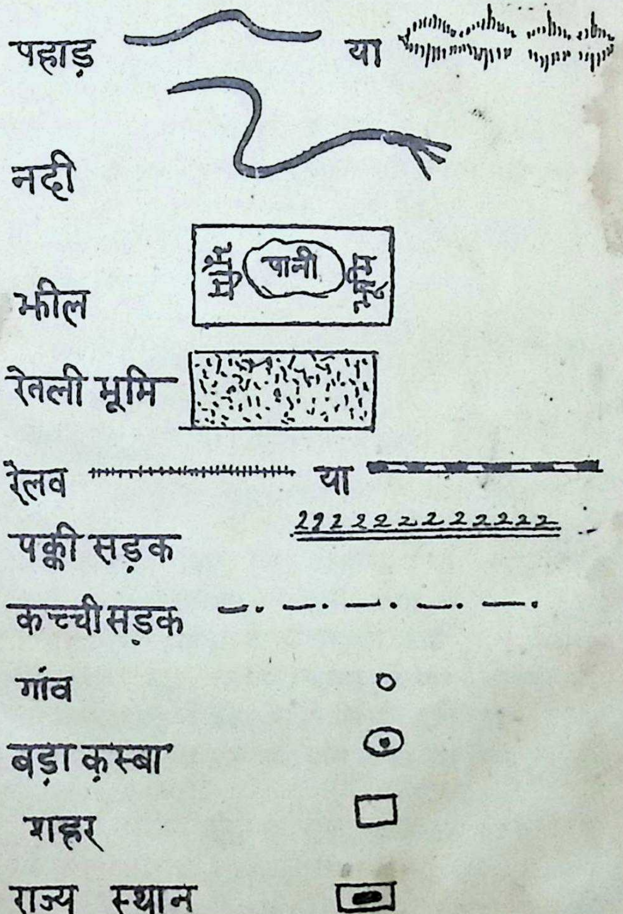

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नक़शा ।

प्रश्न—(१) नक़शे और ख़ाके का अन्तर बतलाओ ।
(२) नक़शा किसे कहते हैं और उसके लिये क्या सामान दरकार है ।

नक़शा—ख़ाका, दूसरी वस्तुओं के चिन्ह सहित को नक़शा कहते हैं ।

आवश्यक सामान--उसी सामान की करीब करीब जरूरत होती है जिसकी ख़ाके में जरूरत पड़ती है ।

आवश्यक बातें--(१) एक त्रसूल (प० ↑ पू०) (ऊपर उ०, नीचे द०) कापी के सफे के आरम्भ बनालेना चाहिये ।

(२) एक ऐसी सूरत (⊏══════⊐) पैमाने की बनालेनी चाहिये और यह लिख देना चाहिये कि पैमाना १ इंच=१ फीट (या जो कुछ पैमाना नियत किया हो)

(३) उस्ताद के बतलाये हुये नियम से नक़शा खींचो ।

हिदायत--नक़शे पर जो स्थान पूँछा जाय वह सदैव उसी जगह बतलाना चाहिये जहाँ उसका चिन्ह बना है उस जगह हरगिज़ न बतलाओ जहाँ नाम लिखा है । इसी प्रकार तुम अपने नक़शे में हर स्थान को चिन्ह से दिखलाओ इसके कुछ चिन्ह नीचे दिये जाते हैं ताकि नक़शों में देख कर पहिचान सको या उन चीज़ों को बना सको ।

रंगत की पहिचान ।

नीला रङ्ग	समुद्र के लिये
हरा रङ्ग	चौरस और समुद्र की बराबर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ऊँची भूमि के स्थान (प्राकृतिक में)

भूरा रङ्ग--उँचाई पहाड़ों के वास्ते।
लाल गुलाबी मायल-अंग्रेजी हुकुमत जाहिर करनेके वास्ते।
पीला रंग--देशी रियासत के वास्ते।

नक़शे का काम लेते समय पृथ्वी पर इस प्रकार फैलाओ कि उसकी दिशायें ठीक ठीक असल दिशाओं की ओर हों।

नक़शे पर-दो स्थानों के बीच की दूरी नापना और मालूम करना—जिन स्थानों के बीच की दूरी जाननी हो प्रथम नकशे पर इन दोनों स्थानों के बीच की दूरी को ठीक ठीक नापो बाद में वह नकशा किस पैमाने से बनाया गया है नकशे में देख कर उसी हिसाब से फासला मालूम करलो।

हिन्दुस्तान।

प्रश्न—(१) हमारी तुम्हारी जन्म भूमि क्या है वह क्यों बडी समझी जाती है इनका हिन्दुस्तान नाम क्यों पड़ा।

(२) हिन्दुस्तान की सूरत कैसी है इसकी सीमा बताओ।

हिन्दुस्तान क्या है-(१) हिन्दुस्तान वह मुल्क है जो पुराने समय में आर्य्या वर्त, भारत वर्ष और भरत खण्ड कहलाता था और अब अंग्रेज़ लोग उस को इन्डिया कहते हैं।

(२) हिन्दुस्तान वह मुल्क है जो हम सब लोगों की जन्म भूमि है और जिस में हमारा सूबा है।

(३) हिन्दुस्तान वह मुल्क है जहाँ हिन्दू और

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुसलमानों के बड़े बड़े राजा महाराजा राज्य कर चुके हैं और जिस का इतिहास सब से पुराना है।

(४) हिन्दुस्तान वह मुल्क है जिसने संसार भर में सब से पहले विद्या और कला कौशल आदि में उन्नति की थी।

(५) हिन्दुस्तान वह मुल्क है जिस की नाज आदि की उपज और रुपये पैसे की मालदारी की शोहरत दुनियाँ में आरम्भिक समय से है और अब तक सोने की चिड़िया कहलाता है।

(६) यह ही वह मुल्क है जहाँ हर प्रकार का जल वायु, हर प्रकार की उपज और प्रकार २ की जातियाँ मत मतान्तर दिखाई देते हैं और यह इतना बड़ा और आबाद है कि इस को महाद्वीप भी कह सकते हैं।

हिन्दुस्तान क्यों कहते हैं-पुराने समय में जब बहुत सी जातियाँ बाहर से आकर बस गईं तो अन्य मुल्क वालों ने इन सब जातियों का सम्मिलित नाम सिन्ध नदी के कारण हिन्दू और उन के मुल्क का नाम हिन्दुस्तान रख दिया।

सूरत—हिन्दुस्तान की सूरत तिकोनी है इस को पतँग की मानिन्द भी कह सकते हैं।

सीमा—हिन्दुस्तान के चारों ओर प्राकृतिक सीमा मौजूद है इसी कारण इस की सीमा को प्राकृतिक किला कहते हैं क्योंकि इस के उत्तर में हिमालिया है जिस के दूसरी ओर तिब्बत है दक्षिण में हिन्द महासागर पूरब में बंगाल की खाड़ी और पच्छिम में अरब सागर और कोह सफ़ेद है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हिन्दुस्तान की प्राकृतिक दशा।

प्रश्न-(१) किसी मुल्क के भाग कितने प्रकार के होते हैं

(२) हिन्दुस्तान में सब से अधिक बड़ी और उपजाऊ भूमि कौन सी है।

(३) नक़शे में पहाड़ कैसे दिखलाये जाते हैं, हिन्दुस्तान का पहाड़ी भाग कौन सा है।

(४) दकन से क्या समझते हो इसका ढाल किस तरफ़ को है।

प्राकृतिक और मुल्की विभाग-(१) यदि हम किसी मुल्क के नक़शे पर साधारण दृष्टी डालते हैं तो जान पड़ता है कि पहाड़ों और नदियोंके द्वारा इसके कुछ भाग ऐसे होगये हैं कि जिनकी भूमि, जल, वायु उपज और व्यौहार में पृथ्वी और आकाश का अन्तर है यह प्राकृतिक भाग कहलाते हैं।

(२) कुछ भाग ऐसे जान पड़ते हैं जिनको सरकार ने बन्दोबस्त के अभिप्राय से बना दिये हैं और उनके अलग २ हाकिम हैं यह सब हाकिम एक बड़े हाकिम के आधीन हैं। ऐसा बन्दोबस्त की सुगमता के कारण किया जाता है। इसको मुल्की विभाग कहते हैं।

हिन्दुस्तान के प्राकृतिक भाग—प्राकृतिक तौर पर हिन्दुस्तान के पाँच भाग हैं (१) उत्तरी पहाड़ी मुल्क (२) गङ्गा और सिंध का मैदान (३) दक्षिण का प्लेटो (४) साहिल की नीची भूमि (५) ब्रह्मा की घाटियाँ, इनका वृत्तान्त अलग२ दिया जाता है।

(१) उत्तरी पहाड़ी मुल्क—यह उत्तर में कोई दो सौ मील चौड़ा और पन्द्रह सौ मील लम्ब है इसमें ऊँचे२

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पहाड़ हैं सब पथरीली पृथ्वी में जल वायु ठंडा रहता है उपज में फल फूल ही होते हैं कहीं२ छोटे मैदान भी आगये हैं, यहाँ भी आबादी होती है।

(२) मैदान--नक्शे में जहाँ हरा रङ्ग भरा है वह मैदान है उसके पश्चिम में सिन्ध और पूरब में ब्रह्मपुत्र है यह सब मैदान नदियों के बेसन हैं (१) गङ्गा का बेसन (२) सिन्ध का बेसन (३) ब्रह्मपुत्र का बेसन यह सब बेसन मिलकर ब्रह्म सिन्ध मैदान कहलाता है या गङ्गा और सिंध का कहलाता है दुनिया में इतना बड़ा और उपजाऊ मैदान और कोई नहीं है इसमें वर्षा अच्छी होती है इस लिये उपज खूब होती है जैसे कि गेहूं, जौ, ज्वार, बाजरा, रुई, गन्ना आदि की उपज के कारण आबादी भी अच्छी है।

(३) दक्षिण—यह छोटे२ प्लेटों का समूह है इसका बहुत सा भाग पथरीला और वे उपजाऊ है इसलिये आबादी भी कम है। पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट और सतपुड़ा और विन्ध्याचल से घिरा हुआ भाग दकन कहलाता है।

पश्चिमी घाट से गोदावरी, महानदी, कृष्णा कावेरी आदि नदियाँ निकल कर बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं इससे जान पड़ता है कि इसका ढाल पूरब को है।

(४) साहिलों का नीचा मैदान—यह पृथ्वी का भाग है जो पश्चिमी घाट और समुद्र व पूर्वी घाट के बीच है। पृथ्वी बराबर है बारिश अच्छी होती है उपज भी धान आदि की ख़ूब होती है ख़ास कर मसाला आदि—

(५) ब्रह्मा की घाटियाँ और वादियाँ—इस भाग का जल वायु हिन्दुस्तान के और भागों में भिन्न२ है। बहुधा पहाड़ हैं जो कि उत्तर से दक्षिण को ढालू हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हिन्दुस्तान के मुल्की विभाग।

प्रश्न-(१) हिन्दुस्तान के सूबों के नाम सदर स्थान सहित बतलाओ।

(२) उन सूबों का नाम बतलाओ जहाँ गवर्नर हुकूमत करता है और बतलाओ कि वायसराय किसे कहते हैं।

(३) हिन्दुस्तान की बड़ी बड़ी देशी रियासतें लिखो।

(४) हिन्दुस्तान का इन्तज़ाम क्यों कर होता है और यह भी बतलाओ कि खुद मुख़्त्यार रियासतें कौन सी हैं।

इन्तज़ाम या बन्दोबस्त—मुल्क इङ्गलैंड का राजा ही हिन्दुस्तान का राजा होता है परन्तु क़ैसर हिन्द कहलाता है और वहाँ के नियम के अनुसार हिन्दुस्तान में नहीं रह सकता इसलिये वह अपनी तरफ़ से एक अधिकारी बना देता है जो वायसराय कहलाता है वायसराय साहब ने मुल्क के कई भाग किये हैं जो सूबा कहलाते हैं और उनका एक एक हाकिम होता है जो गवर्नर या चीफ़ कमिश्नर कहलाता है नीचे सूबे सदर स्थान सहित दिये जाते हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

न० क्रम	नाम सूबा	राज्य स्थान	गर्मियों का सदर मुकाम	हाकिम
१	उत्तरी पश्चिमी सीमान्त प्र०	पेशावर	+	चीफ़ कमिश्नर
२	पंजाब	लाहौर	शिमला	गवर्नर
३	देहली	देहली	शिमला	चीफ़ कमीश्नर
४	सं० प्रान्त आगरा व अवध	इलाहाबाद	नैनीताल	गवर्नर
५	बिहार व उड़ीसा	पटना	रान्ची	"
६	बंगाल	कलकत्ता	दार्जिलिंग	"
७	आसाम	सिलाँग	+	चीफ़ कमीश्नर
८	ब्रह्मा	रंगून	+	गवर्नर
९	मद्रास	मद्रास	उटाकमन्ड	"
१०	बम्बई	बम्बई	महाब्लेश्वर	"
११	बृटिश बिलोचिस्तान	क्वीटा	+	चीफ कमीश्नर
१२	मध्य प्रदेश	नागपुर	पंचमढ़ी	गवर्नर
१३	अजमेर	अजमेर	+	एजन्टराजपूताना।ऐजन्सी
१४	कोरग	मरकरा	+	मैसूर का रेज़ीडेन्ट
१५	अंडमन निकोबार	पोर्ट ब्लेयर	÷	चीफ़ कमिश्नर

बड़ी२ देशी रियासतें-(१) हैदराबाद (२) कश्मीर (३) मैसूर (४) बड़ौदा रियासते हैं इनके अतिरिक्त राजपूताना और मध्य हिन्द की एजन्सी में बहुत सी रियासतें हैं जैसे जैपुर जोधपुर ग्वालियर इन्दौर आदि—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

स्वाधीन रियास्तें-(१) नैपाल (२) भूटान स्वाधीन रियास्तें हैं।

(नोट) बम्बई, मद्रास, बङ्गाल, अहाते कहलाते हैं हैदराबाद में नवाब हुकूमत करता है इनका कुटम्बी नाम निज़ाम है।

प्राकृतिक दशा हिंदुस्तान।

प्रश्न-(१) हिमालिया और विन्ध्याचल पहाड़ों का मुक़ाबला करो।

(२) हिन्दुस्तान की बड़ी २ नदियाँ बताओ और बताओ कि वह किस ओर को बहती हैं।

(३) हिन्दुस्तान के प्रसिद्ध पहाड़ बताओ और बताओ कि वह हिन्दुस्तान के कौन से प्राकृतिक भाग हैं।

पहाड़—हिमालय हिन्दुस्तान के उत्तर में बहुत ऊँचा पहाड़ है यही मान सून को रोक कर मेंह बरसात है। और उत्तर से आने वाले आक्रमणों को रोकता है।

(२) हिन्दू कुश पहाड़-उत्तर से आरम्भ होकर पश्चिम को मोड़ खागया हैं।

(६) सफ़ेद पहाड़-यह भी हिमालय से मिला हुआ है और फिर उत्तर पश्चिम को मुड़गया है।

(४) नमक का पहाड़ इससे नमक निकलता है यह पन्जाब में स्थित है।

(५) पश्चिमी-घाट दक्षिण में पश्चिम की ओर को है।

(६) पूर्वी घाट-यह बहुत कम ऊँचा दक्षिण में पूरब की की ओर को है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(७) विन्ध्याचल-यह पहाड़ हिन्दुस्तान के बीच में स्थित है इस का रूख़ पूरब से पश्चिम को है।

(८) अरवली-यह भी मध्य में है काठिया वार से देहली तक चला गया है जैंतिया, खसिया, गारू, नीलगिरी, अमर कंटक, सतपुड़ा, भी प्रसिद्ध पहाड़ हैं।

झीलें—खारी पानी की-(१) सांभरझील (२) झील कोलार आदि।

मीठे पानी की-(१) डल झील (२) झील ओलर

खाड़ी-(१) मर्तबान (२) खाड़ी बङ्गाल (३) खाड़ी मनार (४) खम्बात की खाड़ी

रासें-(१) रास कुमारी (२) रास कालमीर (३) रास पालमी (४) रास निग्रेस।

जल वायु-(१) हिन्दुस्तान की जल वायु कई प्रकार की है (१) उत्तरी पहाड़ी मुल्क की ठंडा मगर तराई को आरोग्य नहीं है सदाँ जाड़ा बुखार फैला रहता है।

(२) ब्रह्म. सिन्ध मैदान की जल वायु साधारण है परन्तु पच्छिमी भाग की रेगिस्तान होने के कारण गर्म खुश्क और पूर्वी भाग (बङ्गाल) की नदियों की अधिकता के कारण अनारोग्यक हैं।

(३) दक्षिण का जल वायु साधारण मगर कुछ गर्म है।

(४) साहिलों को यकसाँ है न गर्मीयों में गर्म और न जाड़ों में समुद्रों के कारण सर्द है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नदियां ।

	नाम नदी	बहाव के स्थान	सहायक नदियाँ
बङ्गाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ	गङ्गा	संयुक्त प्रदेश, विहार, बङ्गाल	जमुना अपनी सहायक नदियों सहित राम गङ्गा घाघरा
	ब्रह्मपुत्र	आसाम, बङ्गाल,	टस्मा सुर्मी
	गोदावरी	बम्बई, मद्रास, मध्यप्रदेश	वेन गङ्गा, वारधा
	महानदी	,, ,, ,,	×
	कृश्ना	मद्रास, हैदराबाद	तुँग भद्रा
	कावेरी	मद्रास	×

	नाम नदी	बहाव के स्थान	सहायक नदियाँ
अरबसागर में गिरने वाली नदियाँ	नर्वदा	मध्य प्रदेश व बम्बई	×
	ताप्ती	मालवा, बम्बई	×
	सिन्ध	कस्मीर, पन्जाब, सिन्ध	सतलज, व्यास, रावी चुनाव, झेलम का पुल आदि

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उपज ।

प्रश्न—(१) उपज के प्रकार की और कौनसी होती हैं।

(२) हिन्दुस्तान में कौन २ सी फ़सलें होती हैं।

(३) फ़स्ल ख़रीफ़ और फ़स्ल रबी का समय और पैदावार ब्यौरे से लिखो और यह भी बताओ कि किस स्थान में क्या अधिक उपजता है।

(४) ग़रीब हिन्दुस्तानियों के खाने के कौनसे नाज हैं और बाहर को कौनसे जाते हैं।

(५) सब नाज़ों को चार भागों में भाग करो। (१) खाना बनाना (२) दाल (३) तिलहन (४) कपड़े।

उपज की क़िसमें—हिंदुस्तान एक उपजाऊ मुल्क है इसमें बनस्पति की उपज इस क़दर होती है कि यदि यहाँ का नाज बाहर न जाय तो एक साल की उपज तीन साल तक खा सकते हैं।

उपज तीन प्रकार की होती है (१) बनस्पति (२) खानिज (३) जीव जन्तु।

बनस्पति—हिन्दुस्तान में ख़ास कर दो फ़सलें होती हैं (१) सावनी की (२) असाढ़ी फस्ल।

सावनी फस्ल—यह फसल जोलाई में बोई जाती है सितम्बर में बढ़ जाती है अक्तूबर में काटी जाती हैं इसमें नीचे लिखे नाज होते हैं।

धान—नीची ज़मीन में जहां पानी भरा होता है वहाँ बोया जाता है पकने के बाद काट कर बैलों से दायें चलवाते हैं चावल खाने के काम आते हैं इस के भूसे को प्याल कहते हैं कि जो जीव जन्तुओं के खाने और हमारे बिछाने के काम आता है हमारे सूबे में कहीं पैदा होता है परन्तु सूबा ब्रह्मा, बङ्गाल

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

और साहली मैदानों में ख़ूब पैदा होता है यह हिन्दुस्तान से बाहर को भी बहुत जाता है।

कोदों—इस का डंठल काला होता है ग़रीबों की ख़ुराक है इस का प्याल अत्यन्त गर्म और नर्म होता है इस के पौदे की ज़्यादा ख़बरगीरी की ज़रूरत है।

ज्वार, बाजरा, मक्का—यह तीनों नाज भी गरीबों की ख़ुराक हैं, मक्का के तो भुट्टे ही चाबे जाते हैं। यह तीनों पौदे देखने में एकसे दिखाई पड़ते हैं मगर जब बढ़ जाते हैं तो सब पहिचान सकते हैं, मक्का के फटेरे टट्टियाँ बनाने और जलाने के काम आते हैं, और ज्वार बाजरे के डन्ठल जन्तुओं का ख़ास चारा है हिन्दुस्तान के हर भाग में होते हैं राजपूताने में अधिक होते हैं।

उर्द—दाल के काम आता है इस की बेल सी होती है फलियाँ लगती हैं हिन्दुस्तान में हर जगह होता है इस सूबे में ख़ूब होता है।

अरहर—यह भी दाल है पौदे ऊंचे फैले होते हैं सावनी की बुवाई के बाद काटा जाता है पीले रङ्ग के फूल होते हैं।

सन—इस का तना पतला और सफ़ेद होता है फूल सफ़ेद आते हैं यह पोटा काटकर पानी में डबो दिया जाता है छाल तो आसानी से उतर आती है। सन से टाट, बोरे, सुतली, आदि बनती है हिन्दुस्तान में ख़ास कर बंगाल में अधिक पैदा होता है हमारे सूबे में अकसर खेतों के किनारे बोदेते हैं।

कपास—इस के खेत अलग होते हैं इस की कलियों का फूलना और खिलना ही कपास है यह कपास

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दिसम्बर और जनवरी में इकट्ठी की जाती है तब ओट कर, धुन कर और कात कर कपड़े बनाने के काम आती है संयुक्त प्रान्त में भी होती है परन्तु मध्य प्रदेश और बम्बई में अच्छी और ज़्यादा होती है।

ईख-गन्नों के खेत को कहते हैं गन्ने पेल कर रस बनाते हैं इस से गुड़ शकर और खाँड बनाते हैं जिससे सब मिठाइयाँ बनती हैं।

असाढ़ी फ़सल-यह फसल अकतूबर नौम्बर में बोई जाती है। फ़रवरी में बालियाँ आजाती हैं। मार्च अप्रेल में काटली जाती है इसमें नीचे लिखे नाज होते हैं।

अरहर-सावनी फसल का बोया हुआ फ़रवरी में में फूलता है फूल पीली रङ्गत के होते हैं असाढ़ी में काटा जाता है।

गेहूँ-जौ फसल असाढ़ी की ख़ास पैदावार है इन नाजों के लिये भुर्भुरी ज़मीन और कुछ सर्द जल वायु की ज़रूरत है जौ की बालियाँ कुछ झुकी होती हैं और इस पर नस लम्बे होते हैं, गेहूँ की बाली में छोटे होते हैं, यह नाज अधिकता से खाये जाते हैं और बाहर भी जाते हैं संयुक्त प्रान्त और पञ्जाब में ख़ास कर होता है।

सरसों-इस से तेल निकाला जाता है। इस के फूल पीले होते हैं यह गेहूँ और जौके खेतों के बीच २ में बोया जाता है सरसों का तेल बहुत लाभ दायक होता है। जिस पर ज़रूर मलना चाहिये क़रीब २ तमाम् सूबों में होता है।

तरा या दुआँ-यह अकसर खेतों के गिर्द या अलग खेतों में बोया जाता है इस के बीजों से भी तेल निकालते

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हैं जो अधिकतर जलाने के काम आता है इस के फूलों से पीला रङ्ग भी बन सकता है क़रीब २ सब सूबों में होता है।

चना, मटर-इन पौदों की ज्यादा देख भाल की ज़रूरत नहीं है इनकी बहुत सी चीज़ें बनती हैं अधिकतर पन्जाब में होता है ग़रीब लोग खाते हैं अमीर इन को बहुतसी बढ़िया चीजें बनाकर खाते हैं।

अलसी—अलसी का पौदा चने मटर के बीच बोया जाता है इस के फूल आसमानी रङ्ग के होते हैं इसका तेल अधिकतर रङ्गों में मिलाया जाता है कुल हिन्दुस्तान में होता है।

जीव जन्तु—गाये, बैल, भैंस यहां के खास जानवर हैं पहाड़ी अतराफ़ में भेड़ बकरियां होती है जिन से ऊन मिलती है ब्रह्मा में हाथी भी पाया जाता है शेर भी होता है।

खानिज—लोहे की ख़ानें लोहा मध्य प्रदेश के कई ज़िलों में पाया जाता है सिंगभूम, साकचा, ललितपुर ख़ास मुक़ाम हैं।

कोयला—खास कर गङ्गा और गोदावरी की वादी में इसकी कानें हैं रानीगंज, झिरिया, गरडीह, मुंह पानी बरवरा, अमरिया संग्रेनी।

नमक—ज़िला झेलम (पन्जाब) कोह नमक, साँभर झील, (राजपूताना) बहुधा समुद्र के किनारे जमाया जाता है।

इमार्ती पत्थर—राजपूताने में जावजा इसकी कानें हैं। संग मरमर संग बिल्लोर आदि भी निकाला जाता है।

मिट्टी का तेल—इस के चश्मे ब्रह्मा में हैं आसाम में भी कुछ निकाला जाता है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सोना-मैसूर में कान है अकसर मुक़ामात पर नदियों के (नरवदा कृष्णा आदि) रेत में पाया जाता है।

(मुफ़स्सिल देखो प्राईमरी एटलस हिन्दुस्तान ≡)॥)

प्रसिद्ध शहर।

कलकत्ता—यह हिन्दुस्तान का सब से बड़ा और मालदार शहर है। हुग्ली नदी के किनारे आबाद है ठीक इसके सामने हावड़ा है जहां बड़ा स्टेशन है कलकत्ता जाने वाले अकसर इसी स्टेशन पर उतरते हैं। और हुगली का पुल उतर कर कलकत्ते जाते हैं इस पुल पर गाड़ियां उतरती रहती हैं और नीचे से जहाज़ और किश्तियाँ गुज़रती रहती है। शहर में इक्के गाड़ियाँ ट्रामें चलती हैं। मीलों तक पक्की और ऊँची इमारतें स्थित हैं। शहर के एक हिस्से में अँग्रेज़ी दुकानें और दूसरे में देसी दूकानें हैं। यहाँ एक बाग़ है जिसमें दुनियाँ भर के तमाम जंगली जानवर और चिड़ियाँ महफ़ूज रक्खी गई हैं यहाँ के बन्दरगाह पर जहाजों का नज़्ज़ारा देखने में आता है। और हर एक ज़बान सुनने में आती है क्यों कि हर मुल्क का आदमी यहाँ मिलता है यही शहर हिन्दुस्तान का सदर मुक़ाम था।

बम्बई—यह शहर भी कलकत्ते के मानिन्द है सिर्फ़ आबादी में कुछ कम है चूंकि यह एक द्वीप पर आबाद है इसलिये इसका नज़्ज़ारा कलकत्ते से दिलचस्प है रुई के कपड़े बनाने के बहुत से कारख़ाने हैं वलायती डाँक यहीं उतारी जाती है इस शहर में भी बड़े २ मालदार लोग रहते हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अहमदाबाद-यह अहाता बम्बई में दोयम दर्जे का शहर है कपड़ा बुनने की बहुत सी कलें हैं।

काँची—बड़ा बन्दरगाह है इस के द्वारा पन्जाब का गेंहू जाता है और इसके क़रीब में गंधक के कई चश्मे हैं।

अमृतसर--सूबा पन्जाब में लाहौर से दोयम नम्बर पर है सिक्खों के गुरू का मन्द्र एक तालाब के बीचमें बना है यहाँ के क़ालीन और दरियाँ कुल दुनियाँ में प्रसिद्ध हैं।

शिमला--हिन्दुस्तान की दूसरी राजधानी है गर्मियों में वायसराय दफ़्तर सहित यहाँ रहते हैं यह भी सूबा पन्जाब में है।

दिल्ली--यह बहुत पुराना शहर है हज़ारों बार उजड़ा और बसा है पुराने समय से ही भारत की राजधानी रहा है सन् १९१२ से अँग्रेज़ों ने भी अपनी राजधानी कलकत्ते को छोड़कर दिल्ली ही बनालिया है।

मुल्क के हर भाग से यहाँ की तिजारत होती है सोना और चान्दी की चीज़ें जूते अच्छे बनते हैं कपड़ा और बिसात-खाने का सामान उत्तरी और पश्चिमी हिन्द में यहाँ का ही जाता है। मसजिद-शाही क़िला कुतब मीनार बाज पुरानी शाही इमारतें देखने योग्य हैं।

गया--बिहार प्रान्त में प्रसिद्ध शहर है हिन्दुओं का तीर्थ स्थान है।

ढाका-बङ्गाल प्रान्त में ऐतिहासिक स्थान है यहाँकी छींट और मलमल बहुत प्रसिद्ध थी ढाका आज तक प्रसिद्ध है मगर अब इंग्लेन्ड में भी तय्यार होता है।

चिरापूंजी-यहाँ पर दुनियाँ के सब स्थानों से ज्यादा वर्षा होती है यह स्थान सूबा आसाम में है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

६६५
१५-५-२०७
S.1/३५ थि
पुस्तकालय
गुरुकुल कांगड़ी

(नोट) बहुधा शहरों का वृतान्त संयुक्त प्रान्त के वृतान्त में होगा और वह स्थान भी जो सूबों की राजधानी हैं याद करते जायँ।

संयुक्त प्रान्त आगरा व अवध और उस का विस्तार।

प्रश्न—(१) तुम कौनसे प्रान्त में रहते हो इस का यह नाम कब से और क्यों पड़ा है।

(२) किस मुल्क की लम्बाई, चौड़ाई, और रकबा नक़शे से क्यों कर मालूम करते हैं संयुक्त प्रान्त की लम्बाई, चौड़ाई और रक़बा इसी क़ायदे से मालूम करो।

(३) नकशे को देख कर संयुक्त प्रान्त आगरा व अवध की सीमा बतलाओ।

सूबे का नाम कारण सहित–इस सूबे का नाम संयुक्तप्रांत आगरा व अवध है जिसका अर्थ आगरा व अवध के मिले हुए सूबे हैं चूंकि सन् १८०१ से पहले इस सूबे का नाम पश्चिमोत्तर देश था परन्तु इसी साल इस नामका सूबा अँग्रेज़ी हुकूमत में और शामिल हुआ इसलिये आगरे के सूबे में सूबा अवध (लखनऊ और फ़ैजाबाद की कमिश्नरियाँ) सम्मिलित करके सूबा संयुक्त प्रान्त आगरा व अवध नाम रक्खा गया।

नकशे पर दो स्थानों के बीच की दूरी (१) जिन स्थानों के बीच की दूरी जाननी हो तो मालूम करना।

प्रथम उनके ठीक २ चिन्ह नकशे पर मालूम करो और उनके बीच सीधी रेखा खींच कर पटरी से नाप लो।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(२) अब यह देखो कि नक़शा किस माप से बनाया है बस इकाई द्वारा दूरी मालूम करो जैसे कोई नक़शा १० मील = १ इञ्च के पैमाने से बना है और जानने योग्य स्थानों के बीच $२\frac{१}{२}$ इञ्च का फ़ासला नापने पर मालूम हुआ है तो :- १ इञ्च = १० मील

$$\therefore २\frac{१}{२} = \frac{१० \times ५}{२} = २५ \text{ मील}$$

हिदायत-यदि दूरी सीधी न खींची जा सके या रेलवे आदि का मार्ग जानना हो तो डोरे से नाप लो।

असली लम्बाई चौड़ाई मालूम करनी-जिस नक़शे की असली लम्बाई मालूम करनी हो-उसकी लम्बाई में लम्बी से लम्बी सीधी रेखा खींचो इसी प्रकार चौड़ाई में भी लम्बी से लम्बी रेखा खींचो और पटरी से नापो और ऊपर दिये हुये नियम से दूरी मालूम कर लो।

(१) सूबे की लम्बाई चौड़ाई-सूबा संयुक्त प्रदेश आगरा व अवध के नक़शे में लम्बाई की लम्बी से लम्बी रेखा ज़िला मुज़फ्फरनगर की सीमा से बलिया की सीमा तक खींची जा सकती है और चौड़ाई की लम्बी से लम्बी सीधी रेखा बद्रीनाथ के कुछ पूरब से फ़तहपुर सीकरी तक।

(२) यदि किसी से नक़शे में जिसका पैमाना १०० मील फ़ी इञ्च के हिसाब से हो नाप कर देखें तो लम्बाईकी रेखा ५ इन्च और चौड़ाईकी रेखा ३ इन्च पायेंगे हिसाब ३०० मील और ५०० मील लम्बाई और चौड़ाई हुई यह ही असल में है।

क्षेत्र फल जानने का नियम-(१) यह देखो कि नक़शेमें कितने वर्गपूरे आते हैं और कितने आधे आते हैं और कितने आधे से

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अधिक हैं और कितने कम आधे या इस अधिक वालों को पूरा मानकर शुमार कर लो आधे से कम वालों को छोड़ दो।

(२) पैमाने के हिसाब से एक वर्गका क्षेत्र फल निकालो फिर जितने वर्ग मालूम होते हैं उनका क्षेत्रफल निकालो।

सूबा संयुक्त प्रदेश का क्षेत्र फल-संयुक्त प्रान्त का नकशा जो कि फी इञ्च १०० मील के पैमाने पर बना है इसमें एक २ इञ्चके वर्ग हैं और नक़्शा १३ वर्गोंसे ज़्यादा पर फैला हुआ है

१ इञ्च = १०० मील

१ वर्ग की लम्बाई १०० मील और चौड़ाई १०० मील है

क्षेत्र फल = १०० × १०० = १०,००० वर्ग मील

„सूबा१०,००६×१३ = १,३०,०२१०० वर्गमीललगभग

बिलकुल सही १२६१६७ वर्ग मील है

सीमा—उत्तरमें हिमालिया पहाड़ दक्षिणमें बुन्देखंड और राज्यरीवां पूरब में विहार उड़ीसा पश्चिम में रियासत ग्वालियर और पंजाब।

प्राकृतिक दशा।

प्रश्न (१) सूबा संयुक्त प्रदेश आगरा व अवध की प्राकृतिक दशा बताओ।

(२) सूबा संयुक्त प्रदेश आगरा व अवध के प्राकृतिक भाग किस प्रकार होसकते हैं मुफस्सिल बयान करो।

(३) भाभर और तराई से क्या अभिप्राय समझते हैं।

प्राकृतिक दशा—यह सूबा मध्य कटिबन्ध में स्थित है और हिन्दुस्तान के तीन प्राकृतिक भागों में विस्तृत है ऊपर का भाग उत्तरी पहाड़ी मुल्कका भाग है और दुआबे का मैदान ब्रह्मा सिन्ध के मैदान का भाग है और दक्षिणी भाग दक्षिण के सेटों का भाग है। सूबे का अधिकतर भाग नदियों की लाई

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हुई मिट्टी से बना है इसकी चारों प्राकृतिक सीमा भी कही जासकती हैं क्यों कि उत्तर में हिमालिया दक्षिण में कुछ दूर तक सिलसिला अरवली बाकी विन्धाचल का सिलसिला कैमूर पश्चिम में-जमुना और पूरब में गंडक नदी है।

इस सूबे की सतह, सतह समुन्द्र से औसतन ६०० फीट ऊँची है और दक्षिण पूरब से उत्तर की ओर को ऊँची होती गई है यहां तक कि सहारनपुर के निकट ६०० फीट ऊँची है हालां कि ! जिले बलिया,ग़ाजीपुर,बनारस सिर्फ़ ४०० ही फीट ऊँचे हैं।

प्राकृतिक भाग-प्राकृतिक दृष्टि से सूबा तीन भागों में विभाजित कर सकते हैं।

(१) उत्तरी पहाड़ी ज़िले (२) नदियों का मैदान (३) जमुना का दक्षिणी पहाड़ी भाग।

(१) उत्तरी पहाड़ी भाग-यह वह भाग है जहां गंगा जमुना आदि नदियां पहाड़ों से निकल कर मैदान में आती हैं इसमें कमिश्नरी गढ़वाल, रियासत टिहरी आदि सम्मिलत हैं यह भाग पथरीला और ढालू है जङ्गलात से भरा पड़ा है जहां ढाल कम है और कोई तंग मैदान आगया है उसी स्थान पर एक दो गांव आबाद होगये हैं इस भाग के दो भाग होसकते हैं (१) भाभर (२) तराई

भाभर-यह वह उत्तरी भाग है जहां कि बहुधा नदियां कंकरों और पत्थरोंमें ही छिपी रहती हैं यह पृथ्वी पत्थरों और ढेलों से ढकी हुई है जंगल बहुत हैं इसमें बहुत से जंगली जानवर भी रहते हैं।

तराई-भाभर के नीचेकी दल दली पट्टी तराई कहलाती है यहां भाभरकी छिपी हुई तमाम नदियां बाहर आजाती हैं और फ़ैल जाती हैं। इस पट्टी में भी लम्बी घासें और जंगलात हैं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जल वायु आरोग्यक नहींहैं सदैव जाड़ाबुखार फैला रहता है इसमें उत्तर पश्चिम को हिमालय का नाहमवार सिलसिला कोह शिवालक है मंसूरी, नैनीताल, रानीखेत हैं।

(२) नदियोंका मैदान-इसमेंगंगा जमुना, गंगा गौमती और घाघराके दुआवे सम्मलित हैं यह हमवार है पृथ्वी अधिक उजपाऊ है इसमें कोई पहाड़ नहीं है यह उत्तर पश्चिम को ऊँची होती गई है सूबे के बड़े शहर इसी भाग में स्थित हैं जैसे इलाहाबाद लखनऊ, कानपुर, बनारस आदि।

(३) जमुना के दक्षिण का पहाड़ी भाग-जमुनाके दक्षिण में मध्य हिन्द के पहाड़ों का किनारा है पृथ्वी यहांकी पथरीली है इसलिये उपज अच्छी नहीं होती घास बहुत होती है जंगल ज्यादा नहीं है बहुधा मवेशी चराये जाते हैं सिलसिला कैमूर इसी में है इसमें झांसी है।

सूबा संयुक्तप्रदेशआगरा व अवधकेमुल्कीविभाग

प्रश्न—(१) मुल्की भागों से क्या समझते हो, सूबा संयुक्त प्रदेश आगरा अवध की मुल्की तक़सीम बतलाओ।

(२) सूबे में प्रवन्ध किस प्रकार होता है और यहां बड़ा हाकिम कौन है।

(३) सूबे की बड़ी२ देशी रियासतें बतलाओ और यह भी बतलाओ कि उनका प्रबन्ध किस प्रकार होता है।

(४) आनरेरी मजिस्ट्रेट किसे कहते हैं यह क्या करते हैं कहां होते हैं।

प्रबन्ध—इस सूबे के बड़े हाकिम गवर्नर साहिब हैं सूबा दस कमिश्नरियों में विभाजित किया गया है प्रत्येक कमिश्नरी में एक कमिश्नर हाकिम है कमिश्नरी से छोटा भाग ज़िला कहलाता है प्रत्येक ज़िलेमें कलक्टर हुकूमतकरता है ज़िले के हिस्से तहसीलें हैं इनमें तहसीलदार हाकिम है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कमिश्नरी	ज़िले	तहसीलें
(१)	नैनीताल	नैनीताल, किछा, काशीपुर, हलद्वानी पेशकारी, कल्पुरी, रूपनगर
कमायूं	अलमोड़ा	अलमोड़ा, चम्पावत
	गढ़वाल,	गढ़वाल, पाव्रढ़ी
(२)	बिजनौर	नजीबाबाद, बिजनौर, धामपुर, नगीना
रुहेलखंड	मुरादाबाद	मुरादाबाद, बिलारी, सम्भल, हसनपुर, अमरोहा, ठाकुरद्वारा
	बदायूं	बदायूं, गुन्नौर, बिसौली, दातागंज, सहसवान
	बरेली	बरेली, फ़रीदपुर, आंवला, अमीरगंज, बहेड़ी, नवाबगंज
	शाहजहाँपुर	शाहजहाँपुर, तिलहर, जलालाबाद, पवायाँ
	पीलीभीत	पीलीभीत, बीसलपुर, पूरनपुर
(३)	देहरादून	देहरादून, चकरौता
मेरठ	सहारनपुर	सहारनपुर, रुड़की, नकुड़, देव बन्द
	मुजफ़्फ़रनगर	मुज़फ़्फ़रनगर, बुढ़ाना, जान्सठ किराना
	मेरठ	मेरठ, हापुड़, ग़ाज़ियाबाद, बागपत मवाना, सरधना
	बुलन्दशहर	बुलन्दशहर, अनूपशहर, खुर्जा. सिकन्दराबाद
(४)	लखनऊ	लखनऊ, मोहनलाल गंज, मलीहाबाद
लखनऊ	उन्नाव	उन्नाव, सफ़ीपुर पुरवा, मोहन
	रायबरेली	रायबरेली, डिगबिजैगंज, डलमऊ सालोन

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

कमिश्नरी	ज़िले	तहसीलें
	हरदोई	हरदोई, संडीला, बिलग्राम, शाहबाद
	खेरी	खेरी, महुम्मदी, निघासन
(५)	सीतापुर	सीतापुर, सन्धौली, बिसवाँ, मिसरिख
फ़ैज़ाबाद	फ़ैजाबाद	अकबरपुर, टाँडा, बीकापुर, फ़ैज़ाबाद
	गौंडा	अतरौला, तराबगंज, गौंडा
	बहरायच	नानपारा, कैसर गंज
	बाराबङ्की	बाराबङ्की, हैदरगढ़, नवाबगँज, रामसनेही घाट, फ़तेहपुर
	सुल्तानपुर	सुल्तानपुर, मुसाफ़िर ख़ाना, कादीपुर, अमेठी
(६)	प्रतापगढ़	प्रतापगढ़ पट्टी, कुंडा
गोरखपुर	गोरखपुर	गोरखपुर, महाराज गंज, बाँस गांव देवरिया. पिद्रौना,
	बस्ती	बस्ती, बाँसी, डुमरिया गँज, हरिया. ख़लीलाबाद
(७)	आजमगढ़	आजमगढ़ शहरोला, सगरी, घोसी, मुहम्मदाबाद
बनारस	बलिया	बलिया, बाँसडीहा, रसड़ा
	ग़ाज़ीपुर,	ग़ाज़ीपुर, सैदपुर, मोहम्मदाबाद. जमुनियाँ
	बनारस	बनारस महाराजा बनारस, चन्दौली
	जौनपुर	जौनपुर, मछली शहर, कोटाहन, मंड़ियाहु

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri
CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कमिश्नरी	ज़िले	तहसीलें
(८)	मिर्ज़ापुर	मिर्ज़ापुर, केराकट, चुनार, राबर्ट्सगँज, इलाकामहाराजाबनारस
इलाहाबाद	फ़रुख़ाबाद	फ़रुख़ाबाद, क़न्नौज, छपरामऊ, तिर्वा, अलीगढ़, कायमगंज
	इटावा	इटावा, भरथना, बिधूना
	कानपुर	कानपुर, डेरापुर, करोल, भोगनीपुर, अकबरपुर, बिल्होर, श्योराजपुर, घाटमपुर
(९)	फ़तेहपुर	फ़तेहपुर, खजुआ, ग़ाज़ीपुर, खागा
झाँसी	झाँसी,	झाँसी, गरोठ, ललितपुर, मोंठ महरोनी, मऊ
	जालोन	जालोन, उरई, कौंच, काल्पी,
	हमीरपुर	हमीरपुर, राठ, महोबा, कुलपहाड़, मोधा
	बाँदा	बाँदा, बबेरू, कमासिन, पिलानी,
(१०)	आगरा	आगरा, बाह, करावली, खैरागढ़, फ़ीरोज़ाबाद, एतमादपुर फ़तहबाद,
आगरा	अलीगढ़	अलीगढ़, हाथरस, इगलास, खैर,
	मथुरा	मथुरा, मान्ट, छाता, महाबन सादाबाद,
	एटा,	कासगँज, अलीगंज, जलेसर
	मैनपुरी	मैनपुरी, करहल शिकोहाबाद, भोगाँव, मुस्तफ़ाबाद

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मैनपुरी, करहल शिकोहाबाद, भोगाँव, मुस्तफ़ाबाद

बड़ी देसी रियास्तें-(१) राज्य टिहरी (२) रियासत रामपुर (३) रामनगर राज्य (काशी)

(नोट) इस सूबे में बहुधा स्थानों में ग़ैर सरकारी मनुष्य भी हैं। जोकि सरकारी हुक्काम की इम्दाद करते हैं यह आनरेरी मजिस्ट्रेट कहलाते हैं यह मुअज़िज़ होते हैं सरकार से कोई तनख्वाह नहीं लेते हैं इनका कोई नियत स्थान नहीं होता है इन की अदालत को बेंच कहते हैं।

प्राकृतिक अवस्था।

प्रश्न-(१) नक़शे में पहाड़ कैसे पहिचानोगे संयुक प्रान्त के पहाड़ बतलाओ।

(२) नक़शे में नदियाँ किस प्रकार प्रगट किये जाते हैं संयुक्त प्रान्त म कौनसी नदियाँ हैं।

(३) क्या इस सूबे में कोई झील है ? झील किसे कहते हैं।

पहाड़-(१) हिमालिया यह दुनिया में सब से ऊँचा पहाड़ है बहुतसी ऊँची २ चोटियाँ हैं जिन पर सदैव बर्फ जमी रहती है नन्दादेवी, गौरीशंकर, बद्रीनाथ केदारनाथ,

(२) शिवालक यह हिमालय का सिलसिला हरद्वार के निकट है।

(३) विन्ध्याचल—ज़िला झाँसी, जालोन, और हमीरपुर आदि में हैं।

(४) कैमूर--यह विन्ध्याचल का सिलसिला है ज़िला मिर्ज़ापुर में हैं।

(५) अर्वली--इसका सिलसिला ज़िला मथुरा में है जो कि गोबरधन कहलाता है।

मैनपुरी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

नदियाँ

नामनदी	निकलने का स्थान	गिरने का स्थान	कैफ़ियत
गङ्गा	गङ्गोत्तरी	बङ्गाल की खाड़ी में	इसके किनारे बहुधा स्थान होते हैं
जमुना	जमनोत्तरीसे	गङ्गा इलाहाबाद	यहभी हिन्दुओं की पवित्र नदी है
कालीनदी	हिमालय	गङ्गा कन्नौज	कमिश्नरी मेरठ में बहती है
रामगङ्गा	"	"	मुरादाबाद, बरेली किनारे के प्रसिद्ध स्थान हैं।
गोमती	"	"	सूबे अवध की ख़ास नदियाँ हैं
घाघरा	"	गङ्गा (छपरा)	इसका नाम कोड़ियाला भी है
गंडक	"	हाजीपुर में	सूबे अवध की ख़ास नदियाँ हैं
राप्ती	"	घाघरा में	गोरखपुर और बाँसी इसके किनारेहैं
सोन	अमरकंटक	गंगा में	दक्षिण से उत्तर को बहता है
टोन्स	बिन्ध्याचल	गंगा	... ...
केन	"	जमुना (बान्दा)	... ...
चम्बल	"	" (इटावा)	... ...
सिन्ध	हिमालय से	अरब सागर से में	... ...
बेतवा	"	खैरपुर में	... ...

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri
CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(नोट) -(१) जमुना, टोन्स, सोन, कालीनदी, चम्बल, बेतवा, केन, दाईं ओर से आकर गङ्गा में मिलते हैं।

(२) रामगङ्गा, गौमती, घाघरा, राप्ती, गंडक बाईं, ओरसे आकर मिलते हैं।

झील—इस सूबे में कोई प्रसिद्ध झील नहीं है सिर्फ़ दो एक बड़े २ ताल जैसे नैनीताल, भीमताल, बरवा सागरताल प्रसिद्ध हैं।

संयुक्त प्रान्त में सिंचाई की रीति।

प्रश्न-(१) इस प्रान्त में किस प्रकार खेतों की सिंचाई होती है।

(२) सूबा संयुक्त प्रांत की वर्षा का हाल बिस्तार पूर्वक लिखो यह समय कब से कबतक रहता है।

(३) वह प्रांत बतलाओ जहाँ सिंचाई का काम केवल वर्षा से ही चलसकता है और वह प्रांत भी लिखो जिसमें नहरों से सिंचाई की जाती है।

(४) दक्षिणी नदियों पर वर्षा का कैसा प्रभाव पड़ता है।

सिंचाई का ज़रिया—वर्षा, नदियाँ, नहरें, कुंवे,

वर्षा—उत्तरी पहाड़ी भाग में ११० इंच तक वर्षा होती है इसका यह कारण है कि मानसून हिमालय से टकराकर यहीं बरस जाती है, दुआवे में भी अच्छी होती है पूरब में कुछ अधिक ३० इंच से लेकर ५० इंच तक औसत रहता है। जमुना के दक्षिणी पहाड़ी भाग में बाक़ी दोनों भागों से कमहोती है। देखो नक़शा (एटलस सूबा संयुक्त प्रदेश आगरा व अवध पं० मुरारीलाल बुकसेलर मुरादाबाद)।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बरसात का मौसम जोलाई से अकतूबर तक माना जाता है जनवरी और फ़रवरी में कभी २ वर्षा होजाती है।

ज़िले बनारस, बलिया जोनपुर, गोरखपुर और गढ़वाल में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती।

नदियाँ-नदियों का बयान प्राकृतिक दशा में हो चुका है

नहरें-पूर्वी जमुना केनाल-इससे सहारनपुर के ज़िले में सिंचाई होती है।

आगरा केनाल-और आगरे में सिंचाई होती है।

बेतबा केनाल-ज़िला जालोन, झांसी और हमीरपुर में सिंचाई होती है।

रुहेलखन्ड केनाल-कमायूं प्रान्तों और पीलीभीत में सिंचाई होती है।

गङ्गा केनाल-इसकी बहुत सी शाखाएँ जिले वार हैं खास कर लोअर गङ्गेज़ और अपर गङ्गेज हैं।

कुंवे—हमारे सूबे में बहुधा प्रान्तों में जोकि मैदानी हैं उनमें छोटे २ कुंवे बनाकर किसान सिंचाई करते हैं।

दक्षिणी नदियों पर वर्षा का असर	चूंकि यह नदियाँ बहुधा पहाड़ी पृथ्वी पर बहती है और घाटियां गहरी नहीं हैं इसलिये वर्षा होते ही एक दमसे सेलाब आजाता है उत्तरी नदियाँ इतनी जल्दी नहीं चढ़तीं।

जल वायु और उपज।

प्रश्न-(१) जल वायु किसे कहते हैं आबादी और उपज का क्या सम्बन्ध है।

(२) जल वायु कितने प्रकार की होती है संयुक्त प्रान्त का जल वायु बतलाओ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(३) संयुक्त प्रान्त में कौन २ वस्तुएँ कहाँ २ पैदा होती हैं।

परिभाषा जल वायु—गर्मी सर्दी वर्षा आदि के सालाना औसत को कहते हैं। जहाँ का जल वायु अच्छा होता है वहाँ उपज भी अच्छी होती है। प्रकार २ की चीजें प्रकार २ को जल वायु में होती हैं।

क़िसमें—यदि जल वायु में गर्मी अधिक होती है तो गर्म और सर्दी अधिक हाती है तो सर्द यदि अनआ-रोग्यकर अधिक होती है तो अनारोग्यकर और यदि सब बातें एकसी हों तो जलवायु मध्यम कहलाती है।

सूबे की जलवायु—उत्तरी पहाड़ी भाग की सर्द और आनन्ददायक, तराई की अनारोग्यकर (२) दुआबे की मध्यम गर्मियों में अच्छी गर्मी पड़ती है और जाड़ों में अच्छा जाड़ा।

(३) यमुना के दक्षिणी इलाके में चूंकि वर्षा कम होती है। रेगिस्तान निकट है इस लिये जल वायु गर्म है। गढ़वाल में बर्फ़ भी पड़जाती है।

उपजख़ास—जिन नाजों का वृतान्त हम पीछे बताचुके हैं करीब २ वह सब नाज इस सूबे में पैदा होते हैं, ख़ास कर गेंहूँ जौ अधिक होते हैं जो बाहर से मुल्कों को भेजे जाते हैं। गुड़, शकर भी खूब होता है इस का व्यापार दूसरे सूबों से होता है। ज़िला देहरादून में चाय भी होती है। ज़िला ललितपुर में लोहे की और मेरठ आगरे में पत्थर की खानें हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रेलवे

प्रश्न--(१) पुराने समय में आने जाने का ज़रिया क्या था और उनमें क्या ख़राबियां थीं।

(२) अब सब से अच्छा ज़रिया सफ़र करने का क्या है और क्यों ?

(३) सूबे की ख़ास रेलवे लाईन बड़े २ स्टेशन सहित बतलाओ।

(४) जंकशन किसे कहते हैं रेलवे के प्रसिद्ध पुल कहाँ कहाँ हैं।

पुराने आने जाने के ज़रिये--पुराने समय में घोड़े, हाथी, ऊँट और गाड़ीयों के द्वारा सफ़र होता था या पैदल चलतेथे।

ख़राबीयें--(१) समय अधिक लगता था (२) रुपया अधिक ख़र्च होता था (३) खाने पीने का सामान ज़्यादा रखना पड़ता था (४) बहुधा नदियाँ चढ़जाती थीं तो मार्ग बन्द होजाते थे (५) लूट मार का डर रहता था।

रेल--आज कल रेल से यात्रा करने व माल लेजाने का अच्छा सुभीता है।

लाभ--(१) समय कम लगता है (२) व्यय कम होता है (३) स्टेशनों पर काफ़ी आराम मिलता है (४) काल में नाज लेजाने और लड़ाई में सैना ले जाने का अच्छा ज़रिया है किराया तीसरे दर्जे का ३॥ पाई फ़ी मील है।

जंकशन--जहाँ पर दो या दोसे अधिक रेलवे लाईन मिलती हैं वह स्टेशन जंकशन कहलाता है।

प्रसिद्ध पुल--गङ्गापर--(१) बाला बाली (२) गढ़-मुक्तेश्वर (३) राजघाट, सोरों, कानपुर, इलाहाबाद, बनारस।

जमुना पर (१) जगाधरी (२) देहली (३) आगरा (४) मथुरा (५) कालपी (६) इलाहाबाद।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नाम रेलवे	गुज़रने के स्थान	प्रसिद्ध स्टेशन
(१) ईस्ट इन्डियन रेलवे	गङ्गानदी के दक्षिणीमुल्क में	मुग़लसराय, मिर्ज़ापुर, इलाहाबाद, कानपुर, अलीगढ़ ।
(२) अवधरुहेलखंड रेलवे	,, ,, उत्तरी ,,	मुगलसराय, बनारस; लखनऊ, हरदोई शाहजहाँपुर, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद सहारनपुर ।
(३) बङ्गालनार्थ वेस्टर्नरेलवे	सूबे के उत्तर पूरब में	बेहरायच गोरखपुर ।
(४) ग्रेटइड़ियनपैनन्शुला रे०	,, ,,दक्षिणीपश्चिमी भाग में	एक शाख कानपुर को दूसरी देहलीको
(५) नार्थ वेस्टर्न रेलवे	,,उत्तरी पश्चमी ज़िलों में	ग़ाज़ीयाबाद, मेरठ, मुज़फ्फर नगर, सहारनपुर ।
(६) रुहेलखंड कमायूँरेलवे	किसमतरु० खँ० औरकमायूँमें	लखनऊ, बरेली, काठगोदाम यहछोटी लाईन कहलाती है । (देखो) (नक़शा रेलवे लाईन एटलस सूबा मुरारीलाल बुकसेर में)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सूबा सं० प्रान्तके रहने वाले और उनकी शिक्षा।

प्रश्न-(१) सूबा संयुक्त प्रान्त की आबादी बतलाओ और यह भी बतलाओ कि इसमें हिन्दू मुसलमानों को क्या निस्बत है।

(२) इस सूबे में कौन कौन धर्म के मानने वाले रहते हैं और क्या कार्य्य करते हैं।

(३) तुम कौन स्कूल में पढ़ते हो यह किस प्रकार के स्कूल हैं।

(४) यूनी वर्स्टी से क्या समझते हो सूबे में यूनीवर्स्टियाँ कहाँ कहाँ हैं।

आबादी—इस सूबे की कुल आबादी ५ करोड़ के लगभग है जिस में करीब ८५ प्रति सैंकड़ा हिन्दू हैं। मुसलमान, ईसाई, जैनी, पारसी, बौध, भी आबाद हैं ज़िला गोरखपुर सब ज़िलों से आबादी में अव्वल नम्बर है और ज़िला गढ़वाल सबसे कम और बनारस का ज़िला सबसे गुंजान आबाद है।

जातियाँ और उनके धर्म—इस सूबे में हिन्दू मुसलमान ईसाई धर्म वाले आबाद हैं इनके अतिरिक्त जैनी, बौध, आदि धर्मों के भी हैं जोकि असिल में हिन्दू धर्म सेही हैं। और हिन्दू धर्म ब्राह्मण, वैश्य, ठाकुर, जाट, गूजर, चौहान, चमार आदि—भी हज़ारों जातियाँ हैं।

पेशा—इस सूबे में १०० में ७२ आदमी यानी कुल आबादी का ७२ फ़ीसदी खेती के काम में लगे हुए हैं शेष व्यापार, नोकरी, दस्तकारी आदि का काम करते हैं।

भाषा—इस सूबे की असली भाषा हिन्दी, उर्दू समझी जाती है पश्चिमी ज़िले मुरादाबाद, बरेली, मेरठ, लखनऊ,

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आदि में उर्दू ख़ासकर मुसलमानी ज़ुबान है। और अलीगढ़ आगरा, मथुरा, आदि की ब्रजभाषा व हिन्दी आदि भाषाएँ हैं।

शिक्षा—इस सूबेमें सैकड़ा पीछे चार या पांच मनुष्य पढ़े लिखे हैं शिक्षा के अभिप्राय से जिला देहरादून सब से आगे और जिला खेरी सब से पीछे है शिक्षा किस प्रकार दी जाती है नीचे लिखा जाता है।

अपरप्रायमरी स्कूलस—यह हिन्दी, उर्दू, भाषा के स्कूल हैं जिन में भाषा, गणित, भूगोल की इब्तदाई तालीम होती है स्कूल काफी तादाद ३ या ४ मील की दूरी पर गाँवों में अधिकता से डिस्ट्रिक्टबोर्डों की ओर से खुले हुए हैं इनका अन्तिम दर्जा चहारूम कहलाता है हालांकि मदर्से निकट २ हैं मगर फिर भी काश्तकार लोग खेती के काम के कारण बच्चों को कम पढ़ाते हैं अब शौक़ बढ़ता जाता है।

मिडिल स्कूल—यह भी उर्दू हिन्दी वर्नाक्यूलर, मदरिसे हैं बड़े बड़े क़स्बों में खोले जाते हैं प्राईमरी पास लड़के इनमें दाखिल होने आते हैं इन स्कूलों में पढ़कर कुछ नोकरियाँ भी मिल जाती हैं यह भी डिस्ट्रिक्ट-बोर्डों की ओर से खोले जाते हैं।

हाईस्कूल—यह अंग्रेज़ी का मदरसा होता है और बहुधा प्रान्तों के सदर स्थान या उसके किसी बड़े क़स्बे में सरकार की ओर से खोले जाते हैं इन में इन्ट्रैन्स तक तालीम होती है यह दर्जे पास करने के बाद बहुत सी नोकरियाँ मिल सकती हैं मगर अब क्लास और बढ़ाये जारहे हैं और सब यह कालिज हो जायेंगे। बहुत से कालिज हैं जिन का नाम इन्टर मीडियट है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

यूनीवर्स्टी--यह सब से बड़ा शिक्षा का स्थान है एम० ए० (M. A.) तक की डिगरी यहाँ से दी जाती है सूबे में कई यूनीवर्स्टी हैं सरकारी तौर पर इलाहाबाद और लखनऊ में बनारस में हिन्दू यूनीवर्स्टी यह आम और खास लोगों के चन्दे से है अलीगढ़ कालिज मुसलमानों की यूनीवर्स्टी कहा जाता है।

ट्रेनिंगस्कूल--बहुत सी किस्मों के ट्रेनिंग स्कूल खुले हुये हैं मसलन उर्दू मदारिस के मदर्सों की तरीक़ा तालीम सिखाने के वास्ते ट्रेनिंग व नार्मल स्कूल, अंग्रेज़ी स्कूल के मास्टरों के लिये ट्रेनिंग कालिज (लखनऊ और इलाहाबाद) थानेदारों, कानूनगोओं, लोगों के वास्ते व पटवारियान के वास्ते पटवारियान आदि स्कूल खुले हुए हैं परन्तु दस्तकारी के स्कूलों की अधिक आवश्यकता है अब कहीं कहीं कुछ दस्तकारी के स्कूल सरकार खोलती जाती है।

कमायूं।

प्रश्न—(१) संयुक्त प्रान्त के नक़शे में कमिश्नरी कमायूं देखो उसकी लम्बाई चौड़ाई और मौक़ा ब्यान करो।

(२) क़िस्मत कमायूं की शक्ल किस जानवर से मिलती है, इस क़िस्मत के पहाड़ बतलाओ।

(३) बद्रीनाथ, केदारनाथ और कैलाश क्या हैं, हिन्दू क्या समझते हैं।

(४) क़िसमत कमायूँ की नदियाँ और उपज बताओ।

(५) कमिश्नरी कमायूँ के जिले, सदर मुकाम और हवा खाने की जगह सहित बतलाओ।

प्राकृतिक वृत्तान्त—इस कमिश्नरी में स्थान २ पर पहाड़ियाँ हैं इनके बीचमें कहीं कहीं मैदान भी हैं जैसे

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जिला नैनीताल और नदियों की घाटियाँ और नशेबी मैदान पर यह नशेब भी सतेह समुन्दर से ऊँचे हैं।

पहाड़-हिमालय—जिसकी प्रसिद्ध चोटी नन्दादेवी, धोलागिरी बद्रीनाथ केदारनाथ हैं। जिनको हिन्दूलोग देवता मानकर यात्रा को जाते हैं।

शिवालक—पश्चिम की ओर को जो हिमालय का सलसिला इस कमिश्नरी में फैला हुआ है उस को शिवालक कहते हैं।

नदियाँ-भागीरथी-यह क़रीब १७५ मील लम्बी साल के बनों में होकर बहती है।

अलखनन्दा-यह उत्तर से पश्चिम को बहती है।

रामगङ्गा—इस नदी का उत्तरी भाग कमिश्नरी कमायूँ में बहता है।

(नोट) अलखनन्दा और भागीरथी की मिली हुई धार का नाम गङ्गा है।

जलवायु-पहाड़ी स्थान जैसे नैनीताल, रानीखेत, आदि का जलवायु आरोग्यक है मगर ज्यादा ऊँचाई के स्थान जैसे बद्रीनाथ केदारनाथ आदि की ठंडी है तराई और नशेबी नदियों का जल वायु गर्म मरतूब और अनारोग्यक है।

उपज--तराई के जङ्गलात में साल के बन हैं पहाड़ों की सेब, नाशपाती, केला खास पैदावार में हैं मैदानों में नदियों के किनारे चावल होते हैं।

अलखनन्दा के रेत में चाँदी और सोना पाया जाता है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रसिद्ध स्थान--नैनीमाल ज़िला है संयुक्त प्रान्त में अंग्रेजों का इस्टेशन गर्मा है गवर्नर साहब गर्मियों में यहाँ रहते हैं और भी बहुधा अमीर लोग तबदील जल वायु के लिये यहाँ आते हैं काशीपुर तहसील है। रौनकदार स्थान है यहाँ छींटें और गाढ़ा अच्छा बुना जाता है छोटी लाईन का रेलवे स्टेशन है।

हल्द्वानी--जिला नैनीताल में तहसील और प्रसिद्ध पहाड़ी मन्डी है मिर्च लकड़ी आदि का व्यापार होता है।

रामनगर--यह भी पहाड़ी मन्डी है यहाँ से इमारती लकड़ी और कोटू आदि बाहर को जाता है।

अल्मोड़ा--यह जिला है और कमायूँ कमिश्नरी का सदर स्थान भी है यहाँ लोग पहाड़ी चीज़ें बेचने आते हैं शहर एक पहाड़ की भूटिया चोटी पर आबाद है बहुधा पहाड़ी लोगों के मेले यहाँ ही होते हैं।

रानीखेत--अँग्रेजों की बड़ी छावनी, नारङ्गी है और चाय अच्छी होती है।

मन्सूरी--यह पहाड़ी पर है और हवा खाने का स्थान है।

अलखनन्दा का पुल बहुत मजबूत बना है। गढ़वाल-ज़िला है इसका सदर मुकाम पावड़ी में है यहाँ गर्म पानी का चश्मा है।

रियासत--टिहरी गढ़वाल प्रसिद्ध देशी रियासत है।

किस्मत रुहेलखण्ड।

प्रश्न--(१) संयुक्त प्रान्त के कौनसे भाग की जल वायु मरतूब है इस में किस्मत रुहेलखण्ड के कौन ..२

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

से ज़िले सम्मिलित हैं और यह भी बताओ कि इस क़िस्मत का नाम रुहेलखन्ड क्यों पड़ा।

(२) उपज और वर्षा का क्या सम्बन्ध है क़िस्मत रुहेलखन्ड की पैदावार लिखो।

(३) क़िस्मत रुहेलखन्ड की प्रसिद्ध मंडियाँ कारण सहित लिखो ज़िला मुरादाबाद की दस्तकारी लिखो।

(४) एक नक़शा रुहेलखन्ड का खींच कर अवध रुहेल-खन्ड रेलवे बनाओ।

(५) सहसवान, बहजोई, शारदा, तिलहर, गौमती, क्या हैं और क्यों प्रसिद्ध हैं।

कारण—पहिले इस क़िस्मत में रुहेलों की हुकूमत थी इस कारण से इसका नाम रुहेलखन्ड पड़ा।

प्राकृतिक वृतान्त—इस कमिश्नरी में छः मैदानी ज़िले हैं इसकी पश्चिमी सीमा पर गङ्गा है शक्ल पर ध्यान किया जावे तो एक मशक सी जान पड़ती है। इसकी लम्बाई दोसौ मील और चौड़ाई क़रीब १०० मील है उत्तर में क़िस्मत कमायूँ दक्षिण में क़िस्मत आगरा पश्चिम में गङ्गा नदी और पूरब में सूबा अवध है।

नदियाँ—(१) गङ्गा (२) रामगङ्गा (३) गौमती इस कमिश्नरी में सिर्फ़ ६५ मील तक बहती है (४) कोसी (५) शारदा का कुछ भाग।

जलवायु—ज़िला बिजनौर, मुरादाबाद, पीलीभीत के उत्तरी भाग मरतूब हैं शेष ज़िलों का जल वायु मध्यम है वर्षा भी अच्छी होती है।

उपज—गेहूँ, जौ, चना, उड़द, मूँग, तिलहन, गन्ना है सहसवान का केवड़ा प्रसिद्ध है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दस्तकारी—मुरादाबाद ख़ास के क़लई के बर्तन अमरोहे के मिट्टी के खिलौने और बुकचे के पलंग नगीने के आबनूस के कलमदान ठाकुरद्वारे की छींट प्रसिद्ध हैं शाहजहाँपुर में चाकू और सरौते अच्छे तय्यार होते हैं।

प्रसिद्ध स्थान कारण सहित-बरेली-शहर-बरेली किस्मत रुहेलखण्ड का सदर मुकाम है रामगङ्गा के किनारे आबाद है यहाँ के मेज़ कुर्सी पलँग आदि लकड़ी का काम अच्छा बनता है यहाँ का सुर्मा भी मशहूर है।

मुरादाबाद—रामगङ्गा के किनारे आबाद है एतहासिक शहर है क़लई के वर्तनों के बहुत से कारख़ाने हैं इस ज़िले में चन्दौसी नाज की बड़ी मन्डी है और धनौरा गुड़ शक्कर की मंडी है सम्भल ज़िला मुरादाबाद में बहुत ही पुराना और मशहूर कस्बा है यहाँ सींग की कंघियाँ अच्छी बनती हैं कलँगी अवतार यहाँ ही होगा। बेहजोई यहाँ चिमनी आदि शीशे की चीजें बनाने का बहुत बड़ा कारख़ाना है।

बिजनौर-ज़िला है शकुन्तला का जन्म स्थान है यहां अब तक रेल नहीं है। नजीबाबाद-ज़िला बिजनौर का प्रसिद्ध कस्बा है रेलवे स्टेशन है फूलके बर्तन प्रसिद्ध हैं।

नगीना—आबनूस के क़लमदान कंघे कंघियां प्रसिद्ध हैं धामपुर तिजारती मंडी है।

बदायूँ—जिला है अलाउद्दीन बादशाह तख्त से दस्तबरदार होकर बदायूं में रहे थे। गुन्नौर, बिसोली, प्रसिद्ध कस्बे हैं तम्बाकू भी प्रसिद्ध है सेहसवान में केवड़ा खूब होता है।

शाहजहाँपुर-जिला है यहाँ के चाकू और सरौते प्रसिद्ध हैं इस के क़रीब रौसर है जहाँ कन्द और

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शराब के कारखाने हैं तिलहर मशहूर कस्बा है गुड़ शकर के वास्ते प्रसिद्ध है।

पीलीभीत-चावलों और अनन्नास के लिये प्रसिद्ध है लकड़ी का काम भी अच्छा बनता है जैसे पाये, खडाऊँ आदि प्रसिद्ध हैं राजा लल्ताप्रसाद का शकर का कारखाना देखने योग्य है बीसलपुर-जिला पीलीभीत का प्रसिद्ध स्थान है यहाँ एक छोटी झील से गोमती निकली है।

रियासत-रियासत रामपुर रुहेलखन्ड की प्रसिद्ध रियासत है यहाँ नवाब हुकूमत करता है इसका क्षेत्र-फल ९०० वर्ग मील है शहर खूबसूरत है कुल शहर में बिजली की रोशनी है यहाँ अधिकतर पठानों की आबादी है यहाँ के चाकू और लाठी प्रसिद्ध हैं।

किस्मत मेरठ।

प्रश्न-(१) क़िस्मत मेरठ का प्राकृतिक वृत्तान्त बयान करो और बताओ कि जल वायु कैसी है।

(२) शहर मेरठ की सैर को जावें तो वहाँ कौनसी चीजें देखनी चाहियें और वहां से क्या लाना चाहिये।

(३) कम्बल, चाय, नाज, किसमत मेरठ की कौनसी मंडियों से मंगाना चाहिये।

(४) जिला सहारनपुर में प्रसिद्ध कस्बे हैं और वह क्यों प्रसिद्ध हैं।

(५) किस्मत मेरठ की नदियाँ और पहाड़ बतालाओ।

प्राकृतिक दशा-इस कमिश्नरी में (१) देहरादून का स्रोटा (२) सहारनपुर का मैदान (३) मुजफ्फरनगर का नशेब शामिल है यह बुलन्दशहर तक फैला

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हुआ है। ज़िला सहारनपुर का सोटो पूरब से पच्छिम को इस उत्तमता के साथ ऊँचा हुआ है कि मालूम नहीं होता हालाँ कि सतेह समुन्दर से १०० फ़िट बुलन्द है।

सीमा—इस कमिश्नरी के उत्तर में गढ़वाल राज्य दक्षिण में किस्मत आगरा पूरब में किस्मत रुहेलखन्ड और पच्छिम में सूबा पन्जाब है।

नदियाँ-इस कमिश्नरी की पूर्वी हद पर गंगा और पच्छिमी हद पर यमुना वहती है बीच में काला नदी है।

पहाड़-ज़िला देहरादून में शिवालक का सिलसिला है।

जल वायु-इस कमिश्नरी का जल वायु मौअतदिल है।

ख़ास उपज-नाजके अतिरिक्त देहरादून में चाय होती है और मेरठ में पत्थर की कान है।

दस्तकारी-मेरठ में कैंचियां और मुज़फ्फ़र नगर में कम्बल और खुर्जे के रांग के बरतन प्रसिद्ध हैं।

प्रसिद्ध स्थान-देहरादून पहाड़ी ज़िला है चाय खूब होती है इस ज़िले में लन्धोरा और मन्सूरी हवा खाने की जगह है।

सहारनपुर-ज़िला है यहां का कम्पनी बाग़ और बाग़बानी का मदरसा प्रसिद्ध है गन्ना अच्छा होता है लकडी के सन्दूक़चे अच्छे बनते हैं—फ़ारिस्ट स्कूल (जंगलात का काम सिखलाने वाला मदरसा है) सिर्फ़ इसी जगह है।

रुड़की-ज़िला सहारनपुर का प्रसिद्ध कस्बा है यहां का इन्जीनियरिंग कालिज प्रसिद्ध है।

हरद्वार-ज़िला सहारनपुर में है हिन्दुओं का तीर्थ स्थान

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

है गंगा के किनारे है हिन्दुस्तान के हर भाग से यहां यात्री आते हैं हरिकी पैरी, ऋषिकुल, लक्ष्मणझूला, ऋषिकेश, गुरुकुल; स्वर्ग आश्रम प्रसिद्ध स्थान हैं यह सब चन्द मील के फ़ासले पर हैं देखने योग्य हैं।

देवबन्द-जिला सहारनपुर में कस्बा है अर्बी फ़ार्सी का बड़ा मदर्सा है।

मेरठ-कमिश्नरी का सदर मुकाम और ज़िला है। फ़ौजी छावनी भी है नौचन्दी का प्रसिद्ध मेला होता है सन् १८५७ में ग़दर यहाँ से ही आरम्भ हुआ था साबुन बनाने के कई प्रसिद्ध कारखाने हैं टोपियाँ कैंचियां अच्छी बनती हैं सदर बाजार, लाल कुर्ती, कम्बोह दरवाजा मशहूर बाजार हैं।

हापुड़-नाज की प्रसिद्ध मंडी है, पापड़ मशहूर हैं ज़िला मेरठ में है।

गढ़मुक्तेश्वर-कार्तिक के महीने में गंगा जी का मशहूर मेला होता है।

गाज़ीयाबाद—प्रसिद्ध रेलवे स्टेशन है।

बाबूगढ़—यहां सरकारी घुड़साल है।

मुज्जफ्फ़र नगर—नाज की मंडी है कम्बल बुने के कई बड़े कारखाने हैं।

बुलन्दशहर—यहां घोड़ों की नुमायश अच्छी होती है ऊनी कपड़े भी अच्छे बनते हैं।

खुर्जा—घी और नाज की मंडी है।

किस्मत आगरा।

प्रश्न-(१) किस्मत आगरे की जल वायु कैसी है और क्यों? मुफ़स्सिल बयान करो।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(२) जिला आगरा और मथुरा में सैर करते हुये कौनसी इमारतें देखोगे और क्यों।

(३) किस्मत आगरे में कौन २ सी नदियाँ हैं और किस ओर को बहती हैं।

(४) टूँडला, बटेश्वर, जलेसर, सिकन्दराराऊ, और हाथरस क्या हैं और क्यों प्रसिद्ध हैं।

(५) किस्मत आगरे की दस्तकारी और खानिज उपज बताओ।

सीमा—उत्तर में किस्मत रुहेलखन्ड दक्षिण में राज्य ग्वालियर और धोलपुर पूरब में किस्मत लखनऊ और इलाहाबाद पच्छिम में रियासत भरतपुर है।

प्राकृतिक दशा—उत्तरी पश्चिमी भाग ऊँचा है दक्षिण पूरब का नीचा है रेगिस्तान भी निकट है अरवली का सिलसिला इसकी सीमा से मिला हुआ है ज़िला मथुरा में एक सिलसिला गोवरधन के नाम से प्रसिद्ध है।

नदियाँ-(१) जमुना इस किस्मत की खास नदी है जो कि उत्तर से दक्षिण को बहती है मथुरा इस के किनारे पर है और आगरा भी।

(२) बान—पूरब से पच्छिम को (३) चम्बल-दक्षिण से पूरब को-(४) काली नदी—उत्तर से पूरब को बहती है।

जलवायु—उत्तरी भाग की मौतदिल मगर रेगिस्तान होने के कारण दक्षिणी भाग की गर्म है।

उपज—किस्मत आगरे की उपज किस्मत रुहेलखन्ड की मानिन्द है सिर्फ़ ज़िला आगरा और मथुरा में इमारती पत्थर खोद कर निकाला जाता है।

प्रसिद्ध स्थान—आगरा शहर जमुना नदी के किनारे आबाद है किस्मत और ज़िले का सदर स्थान है मुग़ल

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

राजाओं के समय में यह राज्य स्थान भी रह चुका है। यहाँ ताज बीबी का रोज़ा सुर्ख पत्थर का क़िला मोती मसजिद और रेल का दोहरा पुल देखने योग्य है यहाँ दरी और कालीन अच्छे बनते हैं। संगतराशी का काम बखूबी और अच्छा होता है।

फतेहपुर सीकरी--यह ऐतहासिक स्थान है जहाँगीर बादशाह यहाँ पैदा हुआ था साँगा और बाबर की लड़ाई यहाँ हुई थी।

सिकन्द्रा-में अकबर बादशाह का क़िला है और टूंडला ईस्ट इन्डियन रेलवे का बड़ा जंकशन है बटेश्वर में कातकी का बड़ा मेला होता है चौपाये जानवरों की अच्छी बिकरी होती है।

मैनपुरी-तारकशी के काम की खड़ाऊँ और संदूकचे अच्छे बनते हैं लोहे के बर्तन भी अच्छे बनते हैं तम्बाकू और छालियाँ प्रसिद्ध हैं।

शिकोहाबाद-इसको शाहजहाँ के पुत्र दारा शिकोह ने बसाया था व्योपारी मन्डी है।

एटा—शहर से दो मील के फ़ासले पर काली नदी का पुल बान्ध कर ऊपर से नहर निकाली है यह पुल हिन्दुस्तान में अपने नमूने का एक ही है।

कासगंज-ज़िला एटा में मशहूर मण्डी है अरवी अच्छी होती है तेहसीली स्कूल की इमारत अच्छी बनी है।

जलेसर-तिजारती मन्डी है सोरों में बड़ा मेला होता है।

अलीगढ़—इस का पुराना नाम कोल है सरसय्यद अहमदख़ाँ का बनवाया हुआ मोहमडन कालिज प्रसिद्ध है ताले अच्छे बनते हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हाथरस--बड़ी तिजारती मन्डी है यहां के चाकू मशहूर हैं।

सिकन्द्राराऊ—बड़ा कस्बा है देसी कपड़ा अच्छा बनता है।

मथुरा-यह शहर जमुना नदी के किनारे पर आबाद है हिन्दुओं का तीर्थ स्थान है कृष्ण भगवान की जन्म-भूमि है मथुरा के चौबे, पेड़े और खुर्चन प्रसिद्ध है द्वारिकाधीश का मन्दर जमुना बाग़, विश्राम घाट, देखने योग्य है मथुरा से छः मील की दूरी पर वृन्दा-वन है यह भी तीर्थ स्थान है यहां बड़े २ मन्दर हैं रङ्ग जी का मन्द्र सेठ लक्ष्मीचन्द का बनवाया हुआ और शाह जी के मन्द्र प्रसिद्ध हैं। नन्द गांव बर-साना गोकुल गोबरधन यह सब तीर्थ हैं और व्रज में हैं।

किस्मत लखनऊ।

प्रश्न-(१) सूबा अवध से क्या समझते हो इस में कौन २ सी कमिश्नरियाँ हैं।

(२) शहर लखनऊ कौन सी नदी के किनारे बसा हुआ है और इस क़िस्मत में कौन २ सी नदियां हैं।

(३) किस्मत लखनऊ में कौन २ जिले हैं जल वायु कैसी है।

(४) नीचे लिखे शहर क्यों प्रसिद्ध हैं शाहाबाद मलीहाबाद लखीमपुर, बिलग्राम।

(५) क़िस्मत लखनऊ में हिन्दुओं के कौन २ से तीर्थ स्थान हैं।

सीमा--उत्तर में रियासत नैपाल दक्षिण में किस्मत इलाहाबाद पूरब में किस्मत फ़ैज़ाबाद पच्छिम में किस्मत आगरा और रुहेलखन्ड हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्राकृतिक दशा--इस कमिश्नरी का क्षेत्रफल ६०० मील के लगभग है सूरत अधिकतर बूट जूते से मिलती है उत्तरी भाग किसी कदर सर्द है और दक्षिणी भाग मध्यम है।

नदियां-(१) गौमती उत्तर से पूरब को बहती हैं (२) सई नदी उत्तर से पच्छिम को (३) शारदा उत्तर से पूरब को बहती है (४) घाघरा इसका ढाल भी उत्तर से पूरब को है (५) गंगा करीब २४० मील लम्बी इस किस्मत में बहती है डलमऊ इसी के किनारे आबाद है।

जलवायु—उत्तरी भाग की कुछ सर्द है अमूमन मौअतदिल है।

उपज--नाज और नैशकर के अतिरिक्त कुछ स्थानों का तम्बाकू प्रसिद्ध हैं और आम मशहूर हैं।

दस्तकारी--लखनऊ ख़ास में चिकन और टोपियां अच्छी तय्यार होती हैं कई स्थानों पर कपड़ा अच्छा बुना जाता है लखनऊ ख़ास में कारखाने भी हैं।

प्रसिद्ध स्थान—लखनऊ-यह शहर सूबे में सब से पुराना शहर है पहले अवध के नवाबों का राज्य स्थान था अब संयुक्त प्रान्त के गवर्नर साहब चार माह यहां रहते हैं यहां की चिकन, लिहाफ, टोपियां, खरबूजे तम्बाकू और मिट्टी के बर्तन और खिलोने प्रसिद्ध हैं पुरानी इमारतें मोतीमहल, इमामबाड़ा, सरकारी अजायब घर देखने योग्य हैं।

मलीहाबाद--ज़िला लखनऊ की तहसील है यहां के आम प्रसिद्ध हैं।

उन्नाव--यहाँ के पेड़े अच्छे होते हैं यह ज़िला है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रायबरेली--सई नदी के किनारे आबाद है सालोन एक कस्बा है यहां के चावल प्रसिद्ध हैं।

डलमऊगंज--में गंगा का मेला होता है

हरदोई--ज़िला है सई नदी के किनारे है जल वायु अच्छा है कपड़े प्रसिद्ध हैं।

शाहबाद-ज़िला हरदोई का प्रसिद्ध कस्बा है तलवार नामी होती है। आम प्रसिद्ध हैं।

बिलग्राम--यहाँ फ़ारसी के आलिम पाये जाते हैं बहुधा कवि भी होते हैं।

सीतापुर--यहां की जलवायु अच्छी है सरकारी छावनी है नीमसार का प्रसिद्ध तीर्थ भी इसी ज़िले में है कस्बा मिसरिख में भी तीर्थ हैं।

बिसवाँ--तहसील है तम्बाकू प्रसिद्ध है।

लहरपुर--राजा टोडरमल का जन्म स्थान है।

खेरी--ज़िला है इस का सदर स्थान लखीमपुर है यह ज़िला शिकार गाह है।

गोला--यह एक प्रसिद्ध स्थान है जहाँ गोला गोकरननाथ का प्रसिद्ध मेला होता है।

(नोट) लखनऊ का नाम महाराजा रामचन्द्र के भाई लक्ष्मण जी के नाम पर लखनौती था होते २ लखनऊ होगया।

किस्मत फैज़ाबाद।

प्रश्न-(१) प्राकृतिक हालतों में से (१) किस्मत फ़ैज़ाबाद की सीमा (२) जलवायु बतलाओ।

(२) किस्मत फैज़ाबाद की नदियाँ कौन सी हैं वह किस ओर को बहती हैं किस्मत हाज़ा का ढाल किस ओर को कहा जा सकता है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(३) क़िस्मत फ़ैज़ाबाद के रहने वालों की ख़ास ख़ुराक क्या है और क्यों।

(४) क़िस्मत फ़ैज़ाबाद को तारीख़ में क्या मान हासिल है।

प्राकृतिक दशा–यह कमिश्नरी २४० मील लम्बी और १४० मील चौड़ी है और क्षेत्र फल २१६० वर्ग मील है इसके उत्तर में नैपाल राज्य दक्षिण में क़िस्मत इलहाबाद पूरब में क़िस्मत गोरखपुर और पश्चिम में क़िस्मत लखनऊ है चूंकि उत्तरी भाग पहाड़ के निकट है इस लिये जाड़ा बहुत पड़ता है और दक्षिणी भाग में जाड़ों में जाड़ा और गर्मियों में गर्मी पड़ती है।

नदियाँ--घाघरा नदी—उत्तर से पूरब को वहती है और गोंडा उसके किनारे आबाद है।

सई नदी—पश्चिम से पूरब को बहती है प्रताप गढ़ किनारे पर है।

गौमती—यह नदी सई के मानिन्द बहती है प्रतापगढ़ किनारे पर है।

सरजू--एक छोटीसी शाख़ घाघरा की है इसके किनारे पर अजुध्या बसी हुई है।

उपज–इस क़िस्मत में चावल खूब पैदा होता है कई स्थानों पर तम्बाकू और पान भी खूब होते हैं।

दस्तकारी—ताड़के पंखे और पिटारियाँ बनते हैं।

प्रसिद्ध स्थान—फ़ैज़ाबाद—कमिश्नर साहब का सदर स्थान है क़लमदान और संदूकचे अच्छे बनते हैं आबादी घनी है, अजुध्या फ़ैज़ाबाद के निकट कुछ मील की दूरी पर सरजू के किनारे बसी हुई है हिन्दुओं के प्रसिद्ध अवतार राजा रामचन्द्र जी यहीं पैदा हुये थे यह शहर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उनकी राजधानी था हिन्दू अबतक बड़ा तीर्थ मानते हैं।

टाँडा—बड़ा क़सबा है कपड़े अच्छे बनते हैं तहसील है।

गोंडा—जिला है ख़ास गोंडे की कोई चीज प्रसिद्ध नहीं है परन्तु अतरौली के ताड़के पँखे और पिटारियाँ अच्छी बनती हैं।

काल—यहाँ के चावल प्रसिद्ध हैं।

बलरामपुर—यहाँ पहाड़ों में लोहा पाया जाता है।

कर्नैलगंज—कस्बा है चावलों की मंडी है सन और टाटकी पट्टियाँ बाहर को जाती हैं।

बहरायच—सरज़ू के किनारे आबाद है मसूद ग़ाज़ी की दरगाह यहाँ है लोहे के बर्तन अच्छे बनते हैं। ज़िले का सदर स्थान है।

इकोना—पान और पौन्डे प्रसिद्ध हैं धान भी खूब होता है।

नैपालगंज—जिला बहरायच में नाज की प्रसिद्ध मंडी है यहाँ मुश्क नाफ़ा बहुत आता है।

बाराबन्की—ज़िला है चावलों की मंडी है फ़तेहपुर ज़िला बाराबन्की की तहसील है क़ालीन अच्छे बनते हैं।

नवाबगंज—तहसील है शकर प्रसिद्ध है।

सुलतान्पुर—ज़िला है इसमें क़स्बा हसनपुर के फूल के बर्तन प्रसिद्ध हैं।

प्रतापगढ़—सई नदी पर बसा हुआ है तम्बाकू और मिसरी अच्छी बनती है।

अवनार—यहाँ की चीनी प्रसिद्ध है।

किस्मत गोरखपुर।

प्रश्न-(१) क़िसमत गोरखपुर की सीमा बताओ और उत्तरी भाग पर ध्यान देकर बताओ कि यहाँ की

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जल वायु कैसी होनी चाहिये और यह भी बताओ कि यह किस्मत ऐतिहासिक दृष्टि से क्या मान रखती है।

(२) किस्मत गोरखपुर की नदियाँ लिखो और यह बताओ कि नदियाँ जल वायु पर क्या असर डालती हैं।

(३) किस्मत गोरखपुर के ज़िले बतलाओ और चार प्रसिद्ध कस्बे बतलाओ।

(४) किस्मत गोरखपुर की उपज और दस्तकारी बताओ।

प्राकृतिक हालात-इस किस्मत में अधिकतर पहाड़ी इलाका है कुछ नदियाँ भी हैं उत्तरी भाग की जल वायु कुछ अनारोग्यक मगर सर्द अधिक है।

सीमा—उत्तर में रियासत नैपाल दक्षिण में किसमत बनारस पूरब में बिहार उड़ीसा पश्चिम में फैज़ाबाद है।

नदियाँ (१) गंडक (२) राप्ती (३) घाघरा नदियां इस किस्मत में बहती हैं ढाल दक्षिण को है।

उपज ख़ास-अनन्नास, नारंगियां, चावल, और गन्ना हैं।

दस्तकारी—करघे के धोती जोड़े और देशी कपड़े अच्छे बनते हैं।

प्रसिद्ध स्थान-गोरखपुर राप्ति नदी के किनारे बसा हुआ है गुरु गोरखनाथजी का प्रसिद्ध मन्दिर यहाँ है इसी कारण इसका नाम गोरखपुर पड़ा है बंगाल नार्थ वैस्टर्नरेलवे का सदर स्थान है इसका बड़ा दफ़्तर यहाँ है फ़ौज में भरती होने के लिये गोरखे यहीं जमा होते हैं अनन्नास और नारंगियाँ प्रसिद्ध हैं आबादी के लिहाज़ से यह जिला सूबे में प्रथम नम्बर है।

बस्ती—यहां की जल वायु अनारोग्यक है-रोमनदेवी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जहाँ महात्मा बुद्ध ने जन्म लिया था इसके निकट ही उत्तर की ओर को है रियासत नैपाल में है । ख़बर है कि यह ज़िला टूट जायगा बाँसी का चावल प्रसिद्ध है ।

रतनपुर—महात्मा कबीर की समाधि है इसको मघईभारी कहते हैं ।

आज़मगढ़—कपड़ा अच्छा बुना जाता है चावल और गन्ने की बहुतायत है मोहम्मदाबाद का रेशमी कपड़ा प्रसिद्ध है ।

क़िस्मत बनारस ।

प्रश्न-(१) क़िस्मत बनारस की प्राकृतिक हालत बताओ ।

(२) हिन्दू लोग बनारस को किस नाम से पुकारते हैं इस क़िस्मत में कौन २ से ज़िले हैं ।

(३) बनारस, ग़ाज़ीपुर, मिर्ज़ापुर से कौनसी व्यापारी वस्तुएं बाहर को जाती हैं ।

(४) मुग़लसराय क्यों आवश्यक स्थान है और चुनार क्यों प्रसिद्ध है ।

(५) क़िस्मत बनारस की नदियाँ बताओ—

प्राकृतिक हालात—क़िस्मत बनारस का क्षेत्र फल १३००० वर्गमील है इसका उत्तरी भाग नदियों का बेसन है और दक्षिणी पहाड़ी है ।

जलवायु— इस कमिश्नरी की जल वायु गर्म होनी चाहिये मगर उत्तरी भाग नदियों के कारण मध्यम है और दक्षिणी भाग पहाड़ों के कारण मध्यम होगई है ।

नदियाँ—गङ्गानदी इस कमिश्नरी की ख़ास नदी है

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गोमती और सई दोनों नदियाँ आकर गङ्गा में इसी किस्मत में मिलती हैं और सीमा पर पहुंचकर घाघरा भी गङ्गा से मिल जाती है, कर्मनासा पूर्वी सीमापर बहती है और सोन नदी पश्चिम से उत्तर को बहती है।

उपज—नाज खूब होता है मिर्ज़ापुर के ज़िले में पहाड़ी चीजें कत्था और लाख खूब होती हैं।

कारीगरी-रेशमी दुपट्टे, किमख्वाब की साड़ियाँ और ऊनी कालीन, पीतल के बर्तन, इतर व तेल आदि।

प्रसिद्ध स्थान बनारस-यह शहर गङ्गानदी के किनारे उत्तरी हिन्द के सब शहरों से सुन्दर है हिन्दू इसको काशी कहते हैं और अपना तीर्थ स्थान समझते हैं बुढ़वामङ्गल का प्रसिद्ध मेला होता है कई घाट प्रसिद्ध हैं संस्कृत का घर समझा जाता है बड़े २ पण्डित वहाँ मौजूद हैं पं० मदनमोहन मालवीय जी ने यहाँ एक हिन्दू यूनिवर्स्टी खोलदी है यहाँ पीतल के बर्तन ज़री के दुपट्टे और किमख्वाब की साड़ियाँ अच्छी बनती हैं।

मुग़लसराय-ईस्ट इण्डियन रेलवे और रुहेल खन्ड रेलवे का सदर स्थान है।

मिर्ज़ापुर—यह ज़िला पहाड़ी है मगर गङ्गा नदी के किनारे मैदान है यहाँ की पहाड़ियों में पत्थर हथियार और औजार पाये जाते हैं यहाँ पीतल और लोहे के बर्तन ऊनी क़ालीन और रुई की तिजारत अच्छी होती है लाख और कत्था बाहर को जाता है एक प्रसिद्ध क़िला है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चुनार—यहाँ का क़िला प्रसिद्ध है कभी शेरशाह सूरी का सदर स्थान था। अब कुल सूबे के कैदी बालक लड़के यहाँ रक्खे जाते हैं इनकी तालीम का काफ़ी बन्दोबस्त है।

ग़ाज़ीपुर-ज़िला ग़ाज़ीपुर का सदर स्थान है गङ्गा के किनारे आबाद है इतर केवड़ा और गुलाब प्रसिद्ध है। यहाँ अफ़यून का सरकारी कारखाना है लार्ड कार्नवालिस का मक़बरा यहाँ ही है इस ज़िले की सैदपुर और जमुनियाँ तहसीलें ऐतहासिक स्थान हैं।

जौनपुर-यह शहर गोमती नदी के किनारे बसा है पहले मुसलमान बादशाहों का राज्य स्थान रह-चुका है यहाँ के क़ाज़ी प्रसिद्ध हैं इतर केवड़ा अच्छा तय्यार होता है।

बलिया-बलिया शहर गङ्गा और सरजू के संगम पर आबाद है आबादी घनी है हनुमान फ़ैक्ट्री में शक्कर उम्दा होती है, सुना जाता है यह ज़िला टूट जायगा।

रियासत-काशी नरेश प्रसिद्ध है इनका सदर स्थान रामनगर है गङ्गा के दायें किनारे पर आबाद है।

किस्मत इलाहाबाद।

प्रश्न-(१) क़िस्मत इलहाबाद की सीमा बतलाओ और यह भी बतलाओ कि इस कमिश्नरी में कौन कौन से ज़िले सम्मिलित है।

(२) कमिश्नरी इलाहाबाद की जल वायु तफ़सील से कारण सहित बतलाओ।

(३) संगम किसे कहते हैं क्या इलाहाबाद भी संगम है किस का।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(४) नीचे के स्थानों की सैर किस लिये करोगे और व्यापार में क्या लाभ होगा।

कानपुर, कन्नौज, शमसाबाद, बिठूर, छपरामऊ, इटावा।

सीमा–क़िस्मत इलाहाबाद के उत्तर में सूबा अवध और दक्षिण में क़िस्मत झाँसी पूरब में क़िस्मत बनारस और पश्चिम में क़िस्मत आगरा।

प्राकृतिक हालात–इस क़िस्मत का क्षेत्र फल ९हज़ार वर्ग मील है जल वायु इस कमिश्नरी की जाड़ों में सर्द और गर्मियों में गर्म रहती हैं।

नदियाँ–(१) जमुना उत्तर से पूरब को बहती है (२) गङ्गा कमिश्नरी के उत्तरी पूर्वी भाग में बहती है (३) टोन्स दक्षिण पूरब को बहती है छोटी नदियां बहुधा सूखजाती है।

प्रसिद्ध स्थान–इलाहाबाद यह शहर गङ्गा जमुना के संगम पर बसा है हिन्दू इसको प्रयाग कहते हैं और अपना तीर्थ समझते हैं माघ में संक्रांति का बड़ा मेला होता है अकबर का बनवाया हुआ किला भी यहां है सूबे का यही सदर स्थान है सरकारी हाईकोर्ट और यूनिवर्सिटी यहां है अमरूद और तरबूज अच्छे होते हैं।

सिर्सा–मलखान की जन्म भूमि है और नाज की मंडी है।

मऊ–देशी कपड़ा बुना जाता है धोती जोड़े बारीक बुने जाते हैं।

करछना–बारा-तहसीलें हैं यहां इमार्ती पत्थर खोदा जाता है।

कानपुर–सूबे में सबसे बड़ा शहर है यहां हिन्दुस्तान में सबसे बड़ा कारखाना है सूती और ऊनी कपड़ा बनाने की बहुत सी मिलें भी हैं बड़ा रेलवे जंकशन है गदर १८५७ के चिन्ह अबतक बाकी हैं जैसे मैमोरियल वेल यहां एक बड़ा कृषि कालिज भी है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मकनपुर-बसन्त में एक बड़ा मेला होता है जिस में गाय बैल घोड़े खूब बिकते हैं।

बिठूर-गंगा किनारे कातकी का बड़ा मेला होता है यहां तहसील भी है।

फ़तेहपुर-ज़िला है ईस्टइन्डिया रेलवे का जंकशन है।

खजुआ-यहां औरंगजेब ने शाह शुजाअ को हार दी थी कूडा और जहानाबाद के फूल के बर्तन प्रसिद्ध हैं।

इटावा-यह शहर जमुना नदी के किनारे आबाद है राजा जैचन्द्र को मोहम्मद गौरी ने शकस्त दी थी हाई स्कूल की इमारत अच्छी बनी है औरय्या घी की मंडी है।

कन्दर कोट-यहां से एक सुरंग कन्नौज तक जाती है।

फरुखाबाद-ज़िला है यह शहर गंगा नदी के किनारे आबाद है इसका सदर स्थान फ़तेह गढ़ है यहां कचेहरियां हैं शहर फ़रुख़ाबाद की छींटें फ़र्द और पीतल के बर्तन प्रसिद्ध है।

कन्नौज-ज़िला फरुख़ाबाद में एक प्रसिद्ध शहर है यहां का इत्र, तेल, फुलेल और काग़ज प्रसिद्ध है पहले राजा जैचन्द्र की राजधानी थी।

छपरामऊ-तहसील है पेड़े प्रसिद्ध हैं।

शमसाबाद कल्प, श्रृंगी रामपुर, ऐतहासिक स्थान हैं।

क़िस्मत झांसी।

प्रश्न (१) किसी मुल्क का ढाल क्योंकर मालूम होता है क़िस्मत झांसी की नदियाँ लिखकर ढाल बतलाओ—

(२) क़िस्मत झांसी की जल वायु कैसी है और क्यों?

(३) महोबा, चित्रकूट, राजापुर, कर्वी, मऊ क्यों प्रसिद्ध हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(४) रूई की मंडियां कौनसी हैं ऐतिहासिक स्थान हाल सहित बतलाओ।

सीमा–इस किस्मत की सीमा बहुत ही टेढी है उत्तर में किस्मत इलाहबाद दक्षिण में बुन्देलखन्ड राज्य पूरब में किस्मत बनारस।

प्राकृतिकदशा––दक्षिण पश्चिम की भूमि ऊँची है और उत्तर की नीची होती गई है ज़िला हमीरपुर का कुछ भाग पहाड़ी है कुछ साल से ही यह किस्मत इलाहाबाद से अलग हुई है।

नदियाँ–(१) जमुना करीब २२० मील पश्चिम से पूरब को बहती है। (२) केन दक्षिण से उत्तर को बहती है (३) बेतवा कारुख भी इधर को ही है (४) धूसन भी इसी ओर को बहती है।

जल वायु—चूँकि इसके निकट रेगिस्तान है इसलिये काफ़ी गर्मी पड़ती जाड़े में भी मासूली गर्मी पड़ती है।

उपज—नाज के अतिरिक्त रुई, पान, लोहा, ख़ास उपज है।

प्रसिद्ध स्थान—शहर झाँसी किस्मत का सदर स्थान है रेलवे का बड़ा जंकशन है यहाँ के क़ालीन और आसन प्रसिद्ध हैं एक किला भी देखने योग्य है।

मऊ—यहां का खारुआ (एक कपड़े का नाम है जो बहुधा बहीखातों में लगाया जाता है) प्रसिद्ध है यहाँ बर्वा सागर का ताल है।

ललतपुर—यह तहसील है इसमें लोहे की खान है।

जालौन—रूई की ख़ास मन्डी है ज़िला जालौन का सदर स्थान उरई है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कालपी—यह जमुना नदी के किनारे आबाद है कागज़ और मिसरी प्रसिद्ध है कौंच ऐतिहासिक स्थान है।

हमीरपुर—ज़िला है शहर जमुना और बेतवा के संगम पर आबाद है।

महोबा—पान प्रसिद्ध हैं आल्हा ऊदल का सदर स्थान कहा जाता है।

बाँदा--ज़िला है रुई की मंडी है कालिंजर का प्रसिद्ध क़िला जिसमें शेर शाह मरा था बान्दे से ३० मील है।

चित्रकूट--तीर्थ है यहाँ बनगमन के समय रामचन्द्र जी रहे थे और भरत मिलाप हुआ था।

राजापुर--तुलसीदासजी की जन्म भूमि है नाज की मन्डी है।

कर्वी—बड़ा कस्बा है और व्यापारी मन्डी है।

उपयोगी और आवश्यक बातें।

(१) चूंकि अनारोग्यक जलवायु स्वास्थ के हानिकारक होती है और तालाबों के निकट भी जल वायु अनारोग्यक हुआ करती है इसलिये तालाबों के निकट मकान नहीं बनवाये जाते।

(२) नमी से मच्छर पैदा होते हैं, मच्छरों से मलेरिया बुख़ार जाड़ा फैलता है इस कारण तालाब के निकट मकान नहीं बनवाते।

(३) पक्की सड़कों की मरम्मत सरकार या डिस्ट्रिक्ट बोर्ड कराती है इस पर खंगर इस्तेमाल होता है।

(४) उन नदियों में जिनका निकास बरफ़ानी पहाड़ों से है गर्मियों में पानी बढ़ना आरम्भ हो जाता है जैसे कि गंगा में और साधारण नदियों में वर्सात में बढ़ता है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(५) मुल्क हिन्द बार बरदारी और सवारी के काम में बहुधा बैल, घोड़े और ऊँट काम में लाते हैं।

(६) ख़त एक मुक़ाम से दूसरे मुक़ाम को डाँक द्वारा भेजे जाते हैं।

(७) कार्ड की क़ीमत डाकख़ाने वाले दो पैसे लेते हैं हालाँ कि वह काग़ज़ सिर्फ़ चन्द कौड़ियों ही का होता है दो पैसे में ख़त लाने और लेजाने वालों की उजरत भी शामिल है।

(८) जल्दी ख़बर भेजनी होती है तो तार देते हैं इसमें ≈) प्रत्येक शब्द का देना पड़ता है।

(९) साधारणतया मनुष्य की चाल २ या ३ मील और तेज़ ४ मील प्रति घन्टा होती है।

(१०) रेल की साधारण चाल १० या १२ मील प्रति घन्टा और तेज़ चाल ४० मील प्रति घन्टा होती है।

(११) हिन्दुस्तान में सब से बड़ी पक्की सड़क वह है जो कलकत्ते से पेशावर तक जाती है इसका नाम ग्रैन्ड ट्रन्करोड है।

नदियां और उनका नाम।

उद्गम—जहाँ से नदी निकलती है उस स्थान का नाम उद्गम है जैसे गंगा का गंगोत्तरी।

दहाना—जहां नदी जाकर गिरती है उस स्थान को दहाना कहते हैं जैसे बंगाल की खाड़ी।

सहायक नदियां—वह छोटी से छोटी नदी जो किसी बड़ी नदी में आकर मिलती है जैसे गंगा की सहायक जमुना नदी।

शाख़ा नदी—जब नदी किसी नदी या समुद्र में गिरने को होती है तो उसमें से छोटी २ धारें होकर अलग समुद्र

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

में जा गिरती हैं यह शाख़ा नदी कहलाती हैं जैसे कि गंगा की शाख़ा हुग्ली नदी।

नदियों की तीन श्रेणियाँ (१) यह कि जब पहाड़ी चश्मों से बहुत सी छोटी २ धारें चलती हैं और वह धार मिलकर तेज़ी के साथ चटानों से गुज़रती और पत्थरों से टकराती हुई बहुत से पत्थरों को लेकर मैदान की ओर चलती है जैसे कि गंगा का वह भाग जो कि हरद्वार से ऊपर है हरद्वार में भी कुछ उसका तमाशा देख सकते हैं।

(२) वह भाग जो मैदानी कहलाता है और असली धार समझी जाती है यहाँ उसकी चाल धीमी पड़ जाती है क्योंकि मैदान हमवार होते हैं इसलिये नदी वह तमाम मिट्टी और पत्थर और बालू यहाँ ही छोड़ देती है सिर्फ़ बारीक मिट्टी और कीचड़ लेकर आगे बढ़ती है जैसे गङ्गा का हरिद्वार से कलकत्ते तक का भाग।

(३) श्रेणी नदी की वह श्रेणी है जोकि अन्तिम मन्ज़िल कहलाती है, समुद्र के साहिल पर पहुंचकर नदी की चाल अत्यन्त ही धीमी पड़जाती है और वह कुल मिट्टी और कीचड़ जो नदी के साथ यहां तक आया था जमना आरम्भ होजाती है और कुछ दिनों में ही अच्छी खासी भूमि बनजाती है इसी कारण से धार फट जाती है और बहुतसी शाखाएं होकर समुद्र में जा गिरती हैं जैसे कि गंगा अपने दहाने से २०० मील ऊपर से शाखाओं में विभाजित होजाती है।

संगम-जहां दो नदियाँ आकर मिलती हैं उस स्थान को संगम कहते हैं जैसे प्रयाग गंगा और जमुना का संगम है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बेसन—जिस मुल्क का पानी किसी नदी या उसकी सहायक नदियों से समुद्र को जाता है वह मुल्क उस नदी का बेसन या तास कहलाता है जैसेगङ्गा का बेसन संयुक्त प्रान्त आगरा व अवध।

डेल्टा—वह तिकोनी पृथ्वी जो नदी की लाई हुई मिट्टी से समुद्र के किनारे बनती है जैसे गङ्गा का प्रसिद्ध डेल्टा सुन्दर बन।

नदियों के लाभ (१) जिस स्थान पर पानी की कमी होती है वहाँ नहरें निकाल कर सिंचाई आदि की आवश्यकता पूरी कर सकते हैं और जहाँ पानी की अधिकता होती है वहाँ का पानी नदियों के द्वारा समुद्र को चला जाता है।

(२) बहुधा नदियाँ किश्ती और जहाज़ चलाने के काम में आती हैं इससे व्यापार को अधिक लाभ पहुँचता है। रेल जारी होने से पहले गंगा और जमुना में किश्तियों का बाजार सा लगा था।

(३) बहुधा नदियों का पानी स्वास्थ्य के लिये अत्यन्त लाभ दायक होता है। जैसे गंगा नदी का।

(४) बहुत सी नदियों के रेत में सोना आदि पाया ज़ाता है इस कारण से कि जब पहाड़ से निकलती हैं तो जिन चट्टानों में सोना मिल होता है वह कट जाता है जैसे नर्वदा के रेत में सोना पाया जाता है।

(नोट) और भी चन्द फायदे हैं जो आगे के दर्जों में मालूम होंगे।

समुद्र

समुद्र और उसका फैलाव—समुद्र तीन चौथाई दुनिया को घेरे हुये है अर्थात् $\frac{1}{4}$ खुश्की है और $\frac{3}{4}$ पानी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ऊपर से इसकी सतह बराबर है मगर बाज़ स्थानों पर यह पाँच मील से भी अधिक गहरा है। अभिप्राय यह है कि जितने ऊँचे पहाड़ हैं उतने ही गहरे समुद्र, समुद्र का पानी खारी होता है।

खारी होने का कारण—चूंकि तमाम नदियाँ मैदानों में बहती हुई समुद्र तक पहुंचती हैं इनमें बहकर कुछ न कुछ भाग नमक का जरूर जाता है। यह समुद्र में जमा होता रहता है पानी तो भाप बनकर उड़ भी जाता है इसी नमक की अधिकता से पानी खारी होजाता है जहाज़ वाले पीने के लिये मीठा पानी अलग रखते हैं।

लहरें—समुद्र में पन्द्रह २ बीस २ फ़ीट ऊँची लहरें उठती हैं और दीवार के समान किनारे तक पहुँचती हैं इन लहरों से पत्थर टकराते हैं और बड़े ज़ोर की आवाज़ पैदा होती है जो कि एक आध मील से सुनाई देती है।

समुद्र से लाभ-(१) समुद्र मेंह बरसाने का ज़रिया है यदि समुद्र न हो तो न बादल बनें और न मेंह बरसे (२) समुद्र के द्वारा व्यापार होता है और दूर के मुल्कों से जहाज़ आते हैं ख़र्च भी कम होता है जैसे इंग्लैन्ड से बम्बई तक जहाज़ द्वारा माल लाने का खर्चा इलाहाबाद से बम्बई तक जो खर्चा रेल से लेजाने में पड़ता है कम है।

परिभाषा।

महासागर—पानी के सब से बड़े भाग को महासागर कहते हैं जैसे हिन्द महासागर—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सागर--महासागर के छोटे भाग को सागर कहते हैं जैसे अरब सागर।

खाड़ी--सागर जब खुश्की के अन्दर को चला जाता है और उसके तीन ओर खुश्की होजाती है तो खाड़ी कहलाता है जैसे बङ्गाल की खाड़ी।

झील--पानी का वह भाग है जिसके चारों ओर खुश्की हो जैसे झील मानसरोवर—

आबनाये-पानी का वह तंग भाग है जो दो खुश्की के भागों को अलग करे और दो पानियों को मिलावे जैसे आबनाय पाक जैसे हिन्दुस्तान को और लका को जुदा करता है।

महाद्वीप—खुश्की के सबसे बड़े भाग को महाद्वीप कहते हैं जैसे महाद्वीप एशिया।

मुल्क—महाद्वीप के भागों को मुल्क कहते हैं जैसे हिन्दुतान।

द्वीप-पृथ्वी का वह भाग जिसके चारों ओर पानी हो जैसे लंङ्का द्वीप।

प्रायद्वीप—खुश्की का वह भाग जिसके तीन ओर पानी हो जैसे प्रायद्वीप दकन।

ख़ाकनाये—खुश्की का वह तङ्ग भाग है जो दो खुश्कियों को मिलावे और दो पानियों को जुदा करे।

रास--खुश्की का वह भाग है जो दूरतक समुद्र में चला जाता है रास कहलाता है जैसे रास कुमारी।

प्रोमन टोरी-नोकीली और पत्थरीली रास को प्रोमन टोरी कहते हैं रास कुमारी रासी है।

पहाड़-खुश्की के उस ऊँचे भाग को कहते हैं जो पत्थरीला होता है सतह समुद्र से कमसे

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कम २००० फिटा ऊँचा होता है वरना पहाड़ी कह-लायेगा जैसे हिमालय।

दर्रा-दो पहाड़ों के बीच के तंग रास्ते को दर्रा कहते हैं। जैसे दर्रा ख़ैबर।

गारिज-जब दर्रे का मुंह पत्थरीला और तङ्ग होता है तो गारिज कहलाता है।

वादी-पहाड़ों के बीच नीचे मैदान जिनमें कोई नदी बहती हो वादी कहलाती है।

मैदान-पृथ्वी के चौरस भाग को मैदान कहते हैं।

प्लेटो-ऊँचे मैदान जो पहाड़ों से घिरे हों प्लेटो कहलाते हैं। जैसे दकन का प्लेटो।

परीक्षक प्रश्न।

(१) तुम्हारे मुल्क का क्या नाम है और उसके वजह तसमीआ क्या हैं।

(२) हिन्दुस्तान में सबसे बड़ा शहर और सूबे में सबसे बड़ा शहर कौनसा है और क्यों प्रसिद्ध है।

(३) सूबा संयुक्त प्रान्त में हिन्दू और मुसलमानों की ख़ास यूनिवर्सटियाँ कहाँ २ हैं।

(४) सूबे में कृषि विद्या किन २ स्थानों पर सिखाई जाती है।

(५) सहारनपुर से बनारस जाने वाले यात्री को कौनसी लाईन पर जाना है मार्ग में कौन २ सी कमिश्नरियाँ और नदियाँ पार करनी पड़ेंगीं।

(६) बन्दरगाह से क्या समझते हो हिन्दुस्तान के ५ बड़े बन्दरगाह बताओ।

(७) वह कौनसी कमिश्नरियाँ हैं जिनमें गंगा बहकर जाती है

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(८) गंगा और जमुना नदियां रेलवे के प्रसिद्ध पुल कहाँ २ हैं

(९) क़िस्मत रूहेलखन्ड का यह नाम क्यों पड़ा है इसका सदर स्थान कौनसा है ?

(१०) उन जिलों का नाम बताओ जिनका सदर स्थान किसी दूसरी जगह है।

(११) कौनसी फ़सल से अधिक नाज होता है और क्यों

(१२) संयुक्त प्रान्त में कौन २ पहाड़ी जिले हैं।

(१३) कैसी जलवायु हानिकारक होती है संयुक्त प्रान्त में वह प्रान्त बतलाओ जिन की जलवायु ऐसी हो

(१४) संयुक्त प्रान्त की बड़ी २ रियास्तें कौनसी हैं और उनके सदर स्थान कहाँ हैं।

(१५) सूबा संयुक्त प्रान्त में तीर्थ स्थान अंग्रेजों के हवा खाने के स्थान मुसलमानों की उर्दू भाषा के केन्द्र कहां २ हैं।

(१६) हिन्दुस्तान के वह सूबे बतलाओ जिनमें गवर्नर हुकूमत करते हैं इन सूबों के स्टेशन गर्मा और सर्माभीलिखो।

(१७) नीचे के शहरोंसे कौनसी वस्तुएं बाहर कोजाती हैं।

कानपुर—मुरादाबाद—शाहजहाँपुर—आज़मगढ़-बनारस मिर्ज़ापुर—रंगून-फ़ैज़ाबाद—महोबा—देहली—शाहाबाद—

(१८) दुनियां में सबसे ऊंचा पहाड़ सब से लम्बा चौड़ा उपजाऊ मैदान सबसे ज़्यादा बारिश का मुकाम लिखो

(१९) सूबा संयुक्त प्रान्त में सबसे आबाद ज़िले सबसे गुनजान ज़िला सबसे अधिक शिक्षित ज़िले सबसे कम शिक्षित ज़िले बतलाओ।

(२०) क़िस्मत कमायूं की आबादी क्यों कम है ?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(२१) क़िस्मत बनारस की दस्तकारी और रुहेलखन्ड की उपज आगरे की जलवायु और झांसी की प्राकृतिक दशा बतलाओ।

(२२) नीचे लिखी वस्तुएँ कहां से मंगवानी चाहियें, चावल, चाय पत्थर, देशी धोती जोड़े, पान कागज़

(२४) नीचे लिखी नदियां किस २ कमिश्नरी में बहती हैं प्रत्येक के किनारे का एक २ शहर लिखो

काली नदी शारदा, गोमती, घाघरा, जमुना,

(२५) तारीफ़ करो और मिसाल दो।
डेल्टा, बेसन' द्वीप, रास, संगम, दर्रा, पार्ज प्लेटो, ग्रेन्डट्रन्क रोड

(२६) हिन्दुस्तान के प्राकृतिक भाग बतलाओ और प्रत्येक का खुलासा हाल बतलाओ।

(२७) तालाबों के किनारे मकान क्यों नहीं बनवाते।

(२८) रेल, डाँक, तार के महसूल मामूली कामों के लिये क्या हैं।

(२६) सूबे का इन्तज़ाम किस प्रकार होता है और उसकी रियासतों का किस प्रकार।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सब प्रकार की स्कूल सम्बन्धी
पुस्तकें मिलने का पता

R 500,P37S
1924

पं० मुरारीलाल बुकसेलर
कृष्णेश्वरी प्रेस मुरादाबाद

पुस्तकालय
गुरुकुल कांगड़ी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ARCHIVES DATA BASE
2011 - 12

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar